कानपुर से प्रकाशित नोएडा, गाजियाबाद, अमेठी से प्रसारित

UPHIN/2015/64922

समय संदेश टाइम्स

हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र बदलते समय का संदेश

वर्षः 11 अंक- 26 डाक पंजीकरण संख्याः I.R./K.P. सिटी- 291/2016-18 कानपुर, मंगलवार 04 फरवरी 2025 पृष्ठ-8 मूल्य मूल्य- 3.50 पैसे

पीएम मोदी ने जताया भरोसा, 5 फरवरी को दिल्ली में आएगी विकास की नई लहर

नई दिल्ली। आप सरकार पर निशाना साधते हुए पीएम ने कहा, दिल्ली की आप दा पार्टी ने यहां के 11 साल बर्बाद कर दिए हैं। मेरी दिल्ली के हर परिवार से प्रार्थना है कि राज्य में हमें आप सबकी, दिल्लीवासियों की सेवा का मौका जरूर दें। मैं गारंटी देता हूं कि आपकी हर मुसीबत, हर परेशानी को समाप्त करने के लिए खप जाऊंगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को दिल्ली के आरके पुरम में बीजेपी की विकसित दिल्ली संकल्प रैली में हिस्सा लिया। इस दौरान जनता को संबोधित करते हुए पीएम ने कहा कि 5 फरवरी को दिल्ली में विकास की नई बहार आने वाली है। उन्होंने भरोसा जताया कि आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव में बीजेपी की सरकार बनने जा रही है। पीएम ने रैली में आप सरकार पर भी निशाना साधा। आप सरकार पर निशाना साधते हुए पीएम ने कहा, दिल्ली की आप दा पार्टी ने यहां के 11 साल बर्बाद कर दिए हैं। मेरी दिल्ली के हर परिवार से प्रार्थना है कि राज्य में हमें आप सबकी, दिल्लीवासियों की सेवा का मौका जरूर दें। मैं गारंटी देता हूं कि आपकी हर मुसीबत, हर परेशानी को समाप्त करने के लिए खप जाऊंगा। पीएम ने कहा, गरीब हो या मिडिल क्लास, हर परिवार का जीवन खुशहाल हो, ऐसी डबल इंजन सरकार दिल्ली

को मिलेगी। हमें ऐसी डबल इंजन सरकार बनानी है। जो लड़ाई-झगड़े की बजाय, दिल्ली के लोगों की सेवा करे। जो बहाने बनाने की बजाय, दिल्ली को बनाने-सजाने में ऊर्जा लगाए। उन्होंने कहा कि आपने आने वाले पांच साल के लिए केंद्र में भाजपा की पक्की सरकार बना ली है, अब गलती से भी यहां आप दा सरकार नहीं आनी चाहिए, जो दिल्ली के पांच और साल बर्बाद कर दे। आप पार्टी छोड़ रहे सांसदों का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि दिल्ली में वोटिंग से पहले ही झाड़ू के तिनके बिखर रहे हैं। आप दा के लीडर्स, उसे छोड़कर जा रहे हैं, ये जान चुके हैं कि ग्राउंड पर जनता आप दा से कितना नाराज है। बजट का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा, मैंने विकसित भारत के निर्माण के लिए चार स्तंभों को मजबूत करने की गारंटी देश को दी थी। ये स्तंभ हैं- गरीब, किसान, नौजवान और नारीशक्ति। कल जो बजट आया है, वो मोदी की ऐसी ही गारंटियों को पूरा करने की गारंटी है। उन्होंने कहा कि आप भी जानते हैं कि 10 वर्षों में भारत की अर्थव्यवस्था 10वें नंबर से पांचवें नंबर पर पहुंच चुकी है, यानी देश की आर्थिक शक्ति बढ़ रही है, अर्थव्यवस्था का कद बढ़ रहा है, नागरिकों की कमाई भी बढ़ रही है। पहले की स्थिति होती तो देश की ये बढ़ती हुई कमाई घोटालों में चली जाती, भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाती थी। लेकिन भाजपा की ईमानदार सरकार देशवासियों का एक-एक पैसा देश की भलाई, देशवासियों की भलाई के लिए लगा रही है। पीएम ने कहा, कल बजट आने के बाद से पूरा मिडिल क्लास कह रहा है कि ये बजट, भारत के इतिहास में मिडिल क्लास के लिए सबसे फ्रेंडली बजट है।

72 फीसदी कर्मचारियों ने दिया संपत्ति का ब्योरा, बढ़ाई जा सकती है समयसीमा

लखनऊ। यूपी सरकार के कर्मचारियों और अधिकारियों को अपनी चल और अचल संपत्ति का ब्योरा 31 जनवरी तक देना था। अब तक 72 फीसदी ने इसका ब्योरा दे दिया है। राज्य कर्मियों की ओर से मानव संपदा पोर्टल पर संपत्ति का ब्योरा देने के लिए समयसीमा बढ़ सकती है। इसके लिए घोषित अंतिम तिथि 31 जनवरी तक 72 फीसदी कर्मियों ने ही ब्योरा दिया है। वहीं, शासन के उच्चपदस्थ सूत्रों का कहना है कि कहीं से शिकायत आई तो संपत्ति की गलत जानकारी देने वाले राज्यकर्मी फंस सकते हैं। प्रदेश में राज्य कर्मियों की कुल संख्या 8.32 लाख है। नियुक्ति विभाग के अनुसार, 31 जनवरी की रात 8 बजे तक 6 लाख कर्मचारियों व अधिकारियों ने पोर्टल पर संपत्ति का ब्योरा अपलोड कर दिया था। सूत्रों के मुताबिक, संपत्ति का ब्योरा शत-प्रतिशत कर्मियों से लेने के लिए 8-15 दिन का मय और मिल सकता है। सूत्रों के अनुसार जनवरी के महीने का वेतन मिलेगा या नहीं इसका फैसला सोमवार को हो सकता है। डीजीपी मुख्यालय ने नागरिक पुलिस के 250 मुख्य

आरक्षियों को उपनिरीक्षक के पद पर प्रोन्नत कर दिया है। उप्र पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा ज्येष्ठता के आधार पर इन कर्मियों को पदोन्नत करने की संस्तुति की गई थी। डीजीपी के अनुमोदन के बाद सभी को उनकी वर्तमान तैनाती के स्थान पर ही पदोन्नत कर दिया गया है। डीजीपी मुख्यालय में डीआईजी स्थापना अतुल शर्मा ने इसका आदेश जारी कर दिया है। जल्द ही इन सभी कर्मियों को उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस पद का प्रशिक्षण हासिल करना होगा।

डबल इंजन की सरकार ही ला सकती है बदलाव

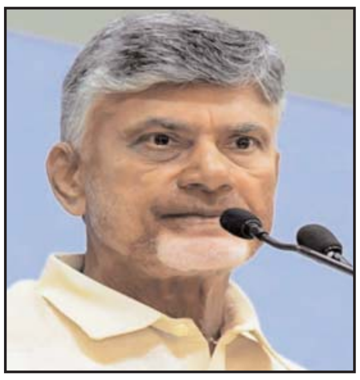

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले टीडीपी प्रमुख और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने सोमवार को कहा कि आप के नेतृत्व वाली सरकार का मॉडल विफल हो गया है और लोगों को ऐसी पार्टी को वोट देना चाहिए जो समावेशी विकास की ओर ले जा सके। दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले टीडीपी प्रमुख और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने सोमवार को कहा कि आप के नेतृत्व वाली सरकार का मॉडल विफल हो गया है और लोगों को ऐसी पार्टी को वोट देना चाहिए जो समावेशी विकास की ओर ले जा सके। यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए नायडू ने कहा कि लोग मौसम और राजनीतिक प्रदूषण के कारण दिल्ली में रहने को लेकर चिंतित हैं। 5 फरवरी को दिल्ली में होने वाले चुनाव से पहले, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने रविवार को अरविंद केजरीवाल पर तंज कसते हुए कहा कि आप की हाफ इंजन वाली सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी को बर्बाद कर दिया है और केवल भाजपा के नेतृत्व वाली डबल इंजन वाली सरकार ही इसे बचा सकती है। प्रदूषण की बढ़ती समस्या के लिए आप प्रमुख को जिम्मेदार ठहराते हुए नायडू ने कहा, यमुना सबसे प्रदूषित नदी है। 10 साल में आप प्रदूषण को नियंत्रित नहीं कर पाए। केवल डबल इंजन वाली सरकार ही यह सब कर सकती है।

बिजली विभाग के 1200 कर्मियों की सेवाएं की गईं समाप्त

लखनऊ। 55 साल की उम्र पूरी करने वाले जो संविदा कर्मचारी सेवा से बाहर किए गए हैं, उनमें से 50 फीसदी तो ईपीएफ खाते से पेंशन भी नहीं पाएंगे। मध्यांचल निगम ने गत शनिवार को आदेश जारी किया कि 55 साल की उम्र पूरी कर चुके कुशल एवं अकुशल संविदा कर्मियों से बिजली लाइन का काम न लिया जाए। इस आदेश पर रविवार को ही अमल हो गया और अनुमानित 1200 संविदा कर्मियों की सेवा समाप्त हो गई। संविदा यूनियन के मुताबिक इनमें 1000 कर्मी मध्यांचल निगम के रायबरेली, उन्नाव, हरदोई, सीतापुर, लखीमपुर, बाराबंकी, अंबेडकरनगर, बहराइच, गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती, सुल्तानपुर, अमेठी, शाहजहांपुर, बरेली, बदायूं, पीलीभीत जिलों में एवं 200 लखनऊ में कार्यरत हैं। बिजलीघरों पर काम करने वाले ऐसे 55 साल के संविदा कर्मियों की हाजिरी जिम्मेदार जूनियर इंजीनियर ने सेवा प्रदाता कंपनी को नहीं भेजी है। यानी यह सभी संविदा कर्मी सेवा से बाहर हो गए हैं। 55 साल की उम्र पूरी करने वाले जो संविदा कर्मचारी सेवा

से बाहर किए गए हैं, उनमें से 50 फीसदी तो ईपीएफ खाते से पेंशन भी नहीं पाएंगे। वर्ष 2000 से बिजली विभाग में संविदा कर्मियों के नियुक्त करने का सिलसिला शुरु हुआ। 18 साल तक नौकरी करने वालों के वेतन से कोई भी ईपीएफ नहीं काटा गया। वर्ष 2019 से ईपीएफ जमा होने का सिलसिला शुरु हुआ। जिन कर्मियों का 48 साल की उम्र पर ईपीएफ कटना शुरु हुआ वो पेंशन नहीं पाएंगे। दरअसल, उनका 10 साल ईपीएफ जमा नहीं हो सका। लखनऊ के बिजलीघरों पर 55 साल से ज्यादा उम्र के ऐसे 150 विभागीय नियमित कर्मचारी हैं, जो अपने पद के अनुरूप काम किए बिना ही वेतन ले रहे हैं। इनमें पेट्रोलमैन, लाइनमैन आदि हैं। यह लाइनमैन सीढ़ी पर चढ़ नहीं पाते तो संविदा कर्मी उपभोक्ता की शिकायतों का निराकरण करते हैं। संरक्षण में ऐसे पेट्रोलमैन एवं लाइनमैन दूसरे कार्य कनेक्शन की जांच आदि करके नौकरी चला रहे हैं। जबकि ऐसे कर्मी 60 से 70 हजार रुपये प्रतिमाह वेतन लेते। जबकि संविदा कर्मी 10 से 11 हजार रुपये में अपनी जान खतरे में डालते हुए काम करते हैं। उत्तर प्रदेश पॉवर कॉरपोरेशन निविदा/संविदा कर्मचारी संघ के प्रदेश महासचिव देवेंद्र कुमार पांडेय ने 55 साल के संविदा कर्मियों को लेकर निगम के एमडी भवानी सिंह से अपील की है। कहा है कि जो संविदा कर्मी 55 साल के हो चुके उनसे लाइन का काम लेने के बजाय दूसरी जिम्मेदारी सौंप दी जाए। यह कर्मी प्रतिमाह बिल वसूलने का काम कर सकते हैं। 25-25 साल संविदा नौकरी करने के बाद वो भी सेवा से बाहर हो गए जिनका महज पांच से छह साल का ही ईपीएफ कटा है।

वसंत पंचमी स्नान: सीएम आवास के वॉर रूम में डटे रहे योगी, पल-पल लेते रहे स्नान का अपडेट

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वसंत पंचमी के पावन अवसर पर अमृत स्नान की व्यवस्था की निगरानी के लिए प्रातः साढ़े तीन बजे से अपने सरकारी आवास स्थित वॉर रूम में बैठक की। उन्होंने डीजीपी, प्रमुख सचिव गृह और मुख्यमंत्री कार्यालय के अधिकारियों के साथ लगातार अपडेट प्राप्त किए और आवश्यक निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने इस महत्वपूर्ण आयोजन की सुरक्षा और व्यवस्था के संदर्भ में पूरी स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि स्नान के दौरान किसी भी प्रकार की कोई भी असुविधा न हो और सभी श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा प्रदान की जाए। योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे स्नान स्थल पर पूरी सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करें और श्रद्धालुओं के लिए सभी आवश्यक इंतजाम पूरे करें। साथ ही, उन्होंने आस्था के इस महान पर्व पर प्रशासन की तत्परता को बढ़ाने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से सुरक्षा व्यवस्था और यातायात प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित किया, ताकि हजारों श्रद्धालुओं को बिना किसी समस्या के संगम में स्नान का लाभ मिल सके। श्रद्धालुओं के साथ साधु-संत, महामंडलेश्वर और देश-विदेश से आए भक्त संगम में पवित्र डुबकी लगाते नजर आए। इसके साथ ही सुरक्षा के बेहद कड़े इंतजाम किए गए थे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर अमृत स्नान के लिए अद्भुत और दिव्य महाकुम्भ की सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई। यातायात पूरी तरह सुचारु रहा और श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना नहीं करना पड़ा। स्नान के बाद श्रद्धालु दान-पुण्य करते दिखे। वसंत पंचमी पर अमृत स्नान के दौरान महाकुम्भ का डिजिटल

स्वरूप भी आकर्षण का केंद्र रहा। जहां हर व्यक्ति इस दिव्य अनुभूति को अपने कैमरे में सुरक्षित करने के लिए उत्साहित नजर आया। संगम तट पर फूल-मालाओं से लदे संतों पर उत्साहित श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा कर उनका स्वागत किया। जिससे पूरे महाकुम्भ का माहौल और भव्य बन गया। वसंत पंचमी के अमृत स्नान के लिए निकली अखाड़ों की शोभा यात्रा में कुछ नागा साधु घोड़ों पर सवार थे तो कुछ पैदल चलते हुए अपनी विशिष्ट वेशभूषा और आभूषणों से सजे हुए थे। जटाओं में फूल, फूलों की मालाएं और त्रिशूल हवा में लहराते हुए उन्होंने महाकुम्भ की पवित्रता को और भी बढ़ा दिया। स्व-अनुशासन में रहने वाले इन साधुओं को कोई रोक नहीं सकता था, लेकिन वो अपने अखाड़ों के शीर्ष पदाधिकारियों के आदेशों का पालन करते हुए आगे बढ़े। नगाड़ों की गूंज के बीच उनके जोश ने इस अवसर को और भी खास बना दिया। त्रिशूल और डमरू के साथ उनके प्रदर्शन ने यह संदेश दिया कि महाकुम्भ केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि प्रकृति और मनुष्य के मिलन का उत्सव है। शोभायात्रा के दौरान मीडिया ही नहीं, बल्कि आम श्रद्धालुओं के मोबाइल के कैमरे भी नागा साधुओं को कैप्चर करने के लिए हवा में लहरा रहे थे। नागा भी किसी को निराश नहीं कर रहे थे, बल्कि वो अपने हाव भाव से उन्हें आमंत्रित कर रहे थे। कुछ नागा तो आंखों में काला चश्मा लगाकर आम लोगों से इंटरैक्ट भी कर पा रहे थे। उनकी इस स्टाइल को हर कोई कैद कर लेना चाहता था। यही नहीं, नागा साधु नगाड़ों की ताल पर नृत्य करते हुए अपनी परंपराओं का जीवंत प्रदर्शन कर रहे थे। उनकी जोश और उत्साह से भरपूर गतिविधियों ने श्रद्धालुओं के बीच अपार उत्साह पैदा किया। जितने उत्साहित नागा

बारादेवी से नौबस्ता तक ट्रैक निर्माण ने पकड़ी रफ्तार

कानपुर। कानपुर मेट्रो रेल परियोजना के कॉरिडोर – 1 (आईआईटी से नौबस्ता) के अंतर्गत मोतीझील से कानपुर सेंट्रल स्टेशन तक दोनों लाइनों ('अप-लाइन' और 'डाउन-लाइन') पर ट्रैक निर्माण कार्य पूरा करने के बाद, अब लगभग 5 किमी लंबे बारादेवी-नौबस्ता एलिवेटेड सेक्शन पर ट्रैक निर्माण का कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। इस क्रम में उक्त सेक्शन पर बारादेवी से नौबस्ता तक रेल (पटरियों) के वेल्डिंग का कार्य पूरा कर लिया गया है। रेल (पटरियों) को लगभग 5 किलोमीटर तक दोनों लाइनों पर वेल्ड करने यानी बिछाने के बाद अब इनके नीचे स्लैब की ढलाई के कार्य को आगे बढ़ाया जा रहा है। स्लैब की ढलाई पूरी होने पर इस सेक्शन के ट्रैक का निर्माण कार्य पूरा हो जाएगा। बारादेवी-नौबस्ता एलिवेटेड सेक्शन पर पिछले साल अक्टूबर माह में बारादेवी स्टेशन से रेल (पटरियों) को बिछाने और एफबीडब्लू (फ्लैश बट्ट वेल्ड) प्लांट से वेल्ड करने का काम आरंभ किया गया था। 18 मीटर लंबे और 1 टन वजनी कुल 1150 रेल की पटरियों को और उन्हें वेल्ड करने के लिए एफबीडब्लू (फ्लैश बट्ट वेल्ड) प्लांट को क्रेन के माध्यम से वायडक्ट या उपरिगामी पुल पर पहुंचाया गया। इसके बाद वेल्डिंग की प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ी और अब किदवई नगर, वसंत विहार, बौद्ध नगर स्टेशन होते हुए नौबस्ता तक पटरियों को बिछाने और वेल्ड करने का काम पूरा कर लिया गया है। वेल्डिंग के कार्य के साथ ही निश्चित छोटी-छोटी दूरियों पर इनके नीचे स्लैब की ढलाई का कार्य भी आगे बढ़ रहा है। कानपुर मेट्रो के बैलास्ट-लेस (गिट्टी-रहित) ट्रैक में प्रयुक्त हो रही ये रेल (पटरियां) हेड हार्डेंड तकनीक से बनीं हैं। ऐसी रेल (पटरियों) का प्रयोग हाई स्पीड फ्रेट कॉरिडोर में भी किया जाता है। कानपुर मेट्रो के बैलास्ट-लेस (गिट्टी-रहित) ट्रैक में रखरखाव की कम से कम आवश्यकता पड़ती है और इनका जीवन-चक्र लंबा होता है। ट्रैक निर्माण के दौरान डिरेलमेंट गार्ड और थर्ड रेल लगाने के प्रबंध भी किए जाते हैं। इस अवसर पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड (यूपीएमआरसी) के प्रबंध निदेशक श्री सुशील कुमार ने कहा कि, बारादेवी-नौबस्ता एलिवेटेड सेक्शन में ट्रैक की वेल्डिंग का कार्य अब पूरा हो गया है। इस सेक्शन में प्लैटफॉर्म की ढलाई और पीईबी संरचनाओं या दूसरे शब्दों में कहें तो प्लैटफॉर्म की छतों के परिनिर्माण का कार्य पहले ही पूरा किया जा चुका है। वर्तमान में यहां ट्रैक निर्माण के अलावा तकनीकी कक्षों के निर्माण का काम चल रहा है। समय की बचत के लिए विभिन्न विभागों से संबंधित सिस्टम इंस्टॉलेशन का कार्य भी साथ-साथ किया जा रहा है। मुझे खुशी है कि हमारी पूरी टीम और कार्यदायी संस्थाएं सुनियोजित ढंग से अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए पूरे दृढ़ संकल्प के साथ जुटी हुईं हैं। वर्तमान में, लगभग 24 किमी लंबे कॉरिडोर-1 (आईआईटी-नौबस्ता) के अंतर्गत कानपुर मेट्रो की यात्री सेवाएं 9 किमी लंबे प्रॉयोरिटी कॉरिडोर (आईआईटी-मोतीझील) पर चल रहीं हैं। कॉरिडोर-1 के चुन्नीगंज से नौबस्ता तक बैलेंस सेक्शन के अलावा लगभग 8.60 किमी लंबे कॉरिडोर-2 (सीएसए-बर्रा 8) के दोनों सेक्शन का निर्माण कार्य भी तेजी से आगे बढ़ रहा है।

कानपुर में चमड़ा उद्योग को लगेंगे पंख, बढ़ेगा निर्यात

कानपुर। केंद्रीय बजट में चमड़ा उद्योग से जुड़ी कई सहूलियतें कारोबारियों को मिली हैं। चमड़ा निर्यातक इन्हें निर्यात में बढोतरी और टेनरियों के लिए संजीवनी मान रहे हैं। चमड़ा निर्यातकों का मानना है कि बजट में हुए प्रावधान से इस वित्तीय वर्ष लगभग 25 फीसदी अधिक कारोबार में बढोतरी संभव हो सकती है। उद्यमियों ने यह भी बताया कि बजट में चमड़ा कारोबार को बढ़ाने के लिए लगभग 5 हजार करोड़ रुपये के पैकेज का प्रावधान भी किया गया है। जिसका लाभ शहर की टेननियों और यूनिट के इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ाने में सहायक होगा। बजट में वेट ब्लू लेदर पर पिछले बजट में दस फीसदी लगाई गई इंपोर्ट ड्यूटी को खत्म कर दिया गया है। अब बगैर इंपोर्ट ड्यूटी के कारोबारी वेट ब्लू लेदर को बाहर के देशों से आयातित कर सकते हैं। इससे वेट ब्लू से शहर में बनने वाले उत्पाद विदेशी बाजार अन्य उत्पादों की कीमत के बराबर या फिर उससे कम हो सकते हैं। कारोबारियों का कहना है कि इससे निर्यात बाजार में बढोतरी होगी। क्रश लेदर से एक्सपोर्ट ड्यूटी 20 फीसदी को खत्म कर दिया गया है। इस स्थिति में क्रश लेदर से बने उत्पादों को भी विदेशी बाजार में कम कीमत के चलते निर्यातक बेहतर प्रतियोगिता के माध्यम से बेच सकेंगे। कारोबारियों का मानना है कि इससे निर्यात बाजार में लगभग 25 फीसदी इजाफा इस वित्तीय वर्ष में हो सकता है। फिलहाल शहर से चमड़े का निर्यात लगभग 6500 करोड़ रुपये का है। वेट ब्लू लेदर का मतलब (नम क्रोम-टैन्ड) लेदर से है। इस चरण में, चमड़े को टैन किया जाता है, लेकिन न तो सुखाया जाता है , न ही रंगा जाता है और न ही फिनिश किया जाता है । नीला रंग क्रोम टैनिंग एजेंट होता है, जो टैनिंग के बाद चमड़े में समा जाता है। इस तरह के चमड़े पर फिलहाल 10 फीसदी इंपोर्ट ड्यूटी लगी हुई थी। इस ड्यूटी को हटवाने के लिए सीएलई की ओर से लंबे समय से सरकार से मांग की जा रही थी। चमड़ा उद्योग को बजट में पूरे देश के लिए लगभग 5 हजार करोड़ का विशेष पैकेज भी मिला है। इस पैकेज से चमड़ा उद्योग से जुड़े इंफ्रास्ट्रक्चर को बेहतर किया जा सकेगा। उद्यमियों ने बताया कि इस पैकेज का डिजाइन केंद्र, एआई का प्रयोग, प्रशिक्षण व अत्याधुनिक मशीनरी में मिलेगा। यह बजट चमड़ा उद्योग के लिए काफी बेहतर बजट है। इंपोर्ट और एक्सपोर्ट ड्यूटी में किया गया संशोधन निर्यात को बढ़ावा देगा। शहर के कारोबार को पंख लगेंगे। विशेष पैकेज से भी शहर के चमड़ा उद्योग को सीधा लाभ हासिल हो सकेगा। बजट चमड़ा उद्योग में रोजगार को भी बढ़ावा देगा। सीएलई वेट ब्लू लेदर में पिछली बार 10 फीसदी इंपोर्ट ड्यूटी लगाई गई थी। इसका असर यह हुआ था कि चमड़ा उद्योग से जुड़ा निर्यात काफी संघर्ष कर रहा था। इस बार यह ड्यूटी हटाए जाने से प्रभावित निर्यात बाजार में फिर से जान आ जाएगी। रमईपुर में प्रस्तावित मेगा लेदर क्लस्टर की परियोजना को भी पंख लगेंगे। इस परियोजना के लिए केंद्र सरकार से 325 करोड़ रुपये मिलने हैं। इनमें 125 करोड़ रुपये मूलभूत सुविधाओं के विकास के लिए मिलेंगे तो 200 करोड़ रुपये कॉमन इफ्लूएंट ट्रीटमेंट प्लांट के लिए आवंटित होंगे। मेगा लेदर क्लस्टर के विकास में कुल आठ सौ करोड़ रुपये खर्च होने हैं जबकि यहां चार सौ औद्योगिक इकाइयां लगेंगी। इससे करीब एक लाख लोगों के रोजगार का मार्ग खुलेगा।

केएफसीएल में गैस आपूर्ति चालू, इतने दिन बाद उत्पादन होगा शुरू

कानपुर। पनकी औद्योगिक क्षेत्र के केएफसीएल कारखाने में बंदी के बादल छंटने लगे हैं। केंद्र सरकार के हस्तक्षेप से गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (गेल) ने प्लांट को गैस आपूर्ति बहाल कर दी है। तीन दिन बाद उत्पादन शुरू होने की उम्मीद है। यहां खाद उत्पादन का प्लांट नेचुरल गैस से संचालित किया जाता है। यह कारखाना जेपी ग्रुप संचालित करता है। बीते कोई पांच महीने से प्लांट को गैस आपूर्ति ठप थी। बताया जाता है कि गेल का भुगतान रुका हुआ था। केएफसीएल के अधिकारी का कहना था कि खाद पर सब्सिडी न मिलने से भुगतान का संकट आया था जो अब हल हो गया है। केएफसीएल के निदेशक मेजर जनरल (रि) विनोद कुमार से कई प्रयास करने के बाद भी बात नहीं हो सकी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने गैस आपूर्ति चालू किए जाने की जानकारी दी। बताया जाता है कि श्रमिकों को सूचित करके बुला लिया गया था। इसका नोटिस भी चस्पा कर दिया गया था। कारखाना चालू होने की खबर से श्रमिकों में खुशी है। केएफसीएल के एक अधिकारी ने बताया कि बजट 2025-26 पास होने के बाद सब्सिडी रिलीज होने के साथ ही गेल को गैस आपूर्ति मद में बकाया पिछला भुगतान कर दिया जाएगा। गेल का करीब 305 करोड़ रुपया से भी ज्यादा केएफसीएल पर बकाया है। बीती 18 दिसंबर से

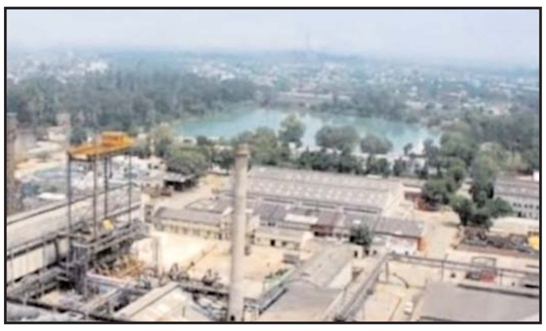

कारखाने में उत्पादन ठप है। सूत्रों के अनुसार केएफसीएल के एक बड़े अधिकारी की गेल आला अधिकारियों से वार्ता के बाद उत्पादन फिर से शुरू होने की संभावना प्रकाश में आयी है। जानकारी के अनुसार केंद्र सरकार को 700 करोड़ रुपये सब्सिडी केएफसीएल को देनी है। कारखाने में लगभग 2200 मीट्रिक टन रोज खाद (डाई अमोनिया फॉस्फेट) उत्पादन होता है। यहां से यूरिया खाद पश्चिमी उत्तर प्रदेश, बिहार, पंजाब और हरियाणा भेजी जाती थी। रोजाना 22 सौ टन उत्पादन होता था।

कानपुर में निलंबित सहायक विकास अधिकारी व सचिव पर एफआईआर

कानपुर, समय संदेश संवाददाता। लगभग दो हफ्ते पूर्व रिश्वत लेने के मामले में आरोपी व निलंबित सहायक विकास अधिकारी व कैडेट सचिव के विरुद्ध अपर जिला सहकारी अधिकारी की तहरीर पर पुलिस में मुकदमा दर्ज हुआ है। मालूम हो कि गत 15 जनवरी को सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में सहायक विकास अधिकारी चौबेपुर अरविंद कुमार सिंह द्वारा कैडेट सचिव इटरा हरिनारायण से रिश्वत लेते वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। मामले में विभागीय पड़ताल के दौरान हुई कार्रवाई में दोनों कर्मचारियों को भ्रष्टाचार के आरोप में तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया था। इधर जांच पड़ताल में आरोप पूरी तरह से सिद्ध हो जाने पर कानूनी कार्रवाई के लिए अपर जिला सहकारी अधिकारी बिल्हौर संजय कुमार तिवारी द्वारा पुलिस आयुक्त पश्चिम को शिकायती पत्र दिया गया था। जिसके पश्चात पुलिस ने दोनों कर्मचारियों के विरुद्ध भ्रष्टाचार अधिनियम की धारा 7 व 13 के तहत मुकदमा पंजीकृत किया है। प्रभारी निरीक्षक राजेंद्र कांत शुक्ला ने बताया कि आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत कर कार्रवाई की जा रही है।

कानपुर मंडल में खुलेंगे कैंसर केयर सेंटर, मरीजों को मिलेगा लाभ

कानपुर। कैंसर के मरीजों की संख्या बढ़ने के कारण सरकार ने बजट में कैंसर ग्रस्त मरीजों के इलाज के लिए केयर सेंटर खोलने की घोषणा की है, ताकि कैंसर के मरीजों को इलाज व जांच के लिए परेशान न होना पड़े। इसके साथ ही कैंसर की दवाएं भी सस्ती करने की घोषणा की गई है। कैंसर के मरीजों के लिए प्रदेश का दूसरा सबसे बड़ा संस्थान रावतपुर स्थित जेके कैंसर संस्थान है। यहां पर प्रतिदिन 200 से 250 मरीज इलाज के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में यह बजट कैंसर मरीजों के लिए राहत पहुंचाने वाला साबित होगा। क्योंकि मंडल के सभी जिलों में कैंसर केयर सेंटर तीन साल में स्थापित किए जाएंगे। सभी जिलों में यह सेंटर स्थापित होने से कैंसर मरीजों को काफी लाभ मिलेगा। इस पहल का उद्देश्य रोगियों के लिए गुणवत्तापूर्ण कैंसर उपचार को सहज और आसान बनाना है। इससे न सिर्फ कैंसर का समय रहते निदान आसान होगा। बल्कि साथ ही समय पर इलाज शुरू होने से मरीजों की जान बचने की संभावना भी बढ़ जाएंगी। हर जिले में कैंसर देखभाल केंद्र स्थापित होने से बड़े शहरों की लंबी व महंगी यात्राओं

पर होने वाले खर्च से भी मरीज व तीमारदारों को राहत मिलेगी। इसके अलावा कैंसर की 36 दवाएं भी सस्ती होने से मरीजों को काफी लाभ मिलेगा। राम उजागर सिंह ने बताया कि वह कैंसर पीड़ित थे, जिनकी दवा लंबी चलने के साथ महंगी होती है। बजट में कैंसर की दवाएं सस्ती होने से काफी लाभ मिलेगा। प्रतिमाह हजारों रुपये खर्च नहीं करने पड़ेंगे। क्योंकि कैंसर से जंग जितने के लिए मरीजों का इलाज लंबा चलता है। दवा से जब कंट्रोल नहीं होता, तब सर्जरी ही आखिरी उम्मीद बचती है। पूनम देवी ने बताया कि पति की कैंसर की वजह से मौत हो गई है। सरकार द्वारा जारी बजट में सभी जिलों में कैंसर केयर सेंटर खुलने से लोगों को काफी राहत मिलेगी, इलाज के लिए बड़े शहरों की ओर दौड़ नहीं लगानी पड़ेगी। सेंटर में स्क्रीनिंग से कैंसर की जल्द पहचान होने और समय पर इलाज मिलने से कैंसर मरीज की जान बच भी सकती है।

पौवारी में गोशाला का हुआ लोकार्पण

गाय सदियों से हमारी आस्था का प्रतीक रही है, क्योंकि गौ माता हमारे अतीत, हमारी संस्कृति और हमारे धर्म से जुड़ी हुई है।

देव मणि शुक्ल

नोएडा। जेवर विधानसभा के दनकौर के समीप स्थित ग्राम पौवारी में मुख्य अतिथि जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह और ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण की अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्रीलक्ष्मी वीएस की उपस्थिति में क्षेत्र की कुमारी चंचल शर्मा, प्रीति कश्यप, कोमल कश्यप, झलक, मुस्कान, अनुष्का नागर, वैष्णवी नागर, माही नागर, दीपिका नागर आदि बच्चियों ने फीता काटकर श्रीगणेश किया। इस गौशाला में तकरीबन 600 बेसहारा गोवंशों की देखभाल हो सकेगी। यह गौशाला 06 करोड़ 90 लाख रुपए में बनकर तैयार हुई है। इस मौके पर श्री ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण के विशेष कार्याधिकारी अभिषेक पाठक, जनरल मैनेजर (प्रोजेक्ट) एके सिंह, जनरल मैनेजर (गौशाला) श्री आरके भारती, सीनियर मैनेजर नागेन्द्र सिंह भी मौजूद रहे। इस मौके पर जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि गो संरक्षण और संवर्द्धन के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार प्रतिबद्ध है। गोवंश हमारे समाज और संस्कृति का अभिन्न हिस्सा हैं। गोवंश के संरक्षण की जिम्मेदारी केवल सरकार की ही नहीं है, हमारी भी है। मुख्य अतिथि जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि गाय सदियों से हमारी आस्था का प्रतीक रही है, क्योंकि गौ माता हमारे अतीत, हमारी संस्कृति और हमारे धर्म से जुड़ी हुई है। जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने कार्यक्रम में उपस्थित किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि जेवर विधानसभा में आगामी अप्रैल माह में हवाई जहाज उड़ने प्रारंभ हो जाएंगे। तत्कालीन सरकारों ने किसानों को सिर्फ़ और सिर्फ़ गुमराह और लूटने का काम किया था, लेकिन विकास का कोई विकल्प नहीं होता। 2017 से पहले किसी भी प्रदेश के मुख्यमंत्री ने किसानों से सीधा संवाद किया था? मुझे तो नहीं लगता है कि देश के किसी भी प्रदेश के मुखिया ने किया होगा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री माननीय योगी आदित्यनाथ जी किसानों की समस्याओं के प्रति बहुत गंभीर है। दुनिया में कहीं आपको यह उदाहरण भी देखने और सुनने को नहीं मिला होगा कि नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के लिए इतना बड़ा अधिग्रहण हो गया और एयरपोर्ट जैसे बड़े प्रोजेक्ट के लिए कोई लाठी डंडा तथा गाली गलौज तक नहीं हुई। हम देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के विकसित भारत के, उस लक्ष्य को तब तक पूरा नहीं कर सकते, जब तक विकास की योजनाओं में किसान की सहभागिता नहीं होगी। इस मौके पर पूर्व मंत्री हरिश्चंद भाटी ने कहा कि जेवर विधायक श्री धीरेन्द्र सिंह ने जेवर को प्रदेश, देश और दुनिया में पहचान दिलाने का काम किया है। नामुमकिन को मुमकिन करना विधायक जी बखूबी जानते हैं। वर्ष 2017 से पहले यह जेवर, इस जनपद का सबसे पिछड़ा हुआ इलाका था। बिना मजहब और जाति धर्म से ऊपर उठकर विधायक जी सभी का सम्मान विधायक करते हैं। जेवर विकास के मार्ग पर चल रहा है। जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने अंत में गौवंशों के लिए लगाई का गाड़ी को भी हरी झंडी दिखाई और गौशाला प्रांगण में वृक्ष रोपित किया गया। इस मौके पर कासना मंडल अध्यक्ष दिनेश भाटी, राम सिंह नेता जी, राकेश भाटी, श्रीनिवास प्रधान जी, मनोज भाटी डाढा, मास्टर उदयवीर सिंह, मनोज गर्ग, संजय प्रताप सिंह, एडवोकेट अमित भाटी, अमित शर्मा, नीरज शर्मा, जबर सिंह, शशांक भाटी, संजय सिंह चेयरमैन नगर पंचायत बिलासपुर, चैनपाल भाटी, भागवत भाटी, विश्वजीत शर्मा, बाबा मोहरी, गौरव नागर, सर्वेद्र कपासिया आदि लोग उपस्थित रहे।

प्रयागराज महाकुम्भ : मां गंगा की गोद में उम्मीद कय दियाँ का हुआ विमोचन

अमेठी। प्रयागराज. अमेठी के डॉ. रमाकांत क्षितिज के अवधी कविता संग्रह उम्मीद कय दियाँ का विमोचन संत श्री अप्रमेय प्रपन्नाचार्य के हाथों उगते सूर्य की किरणो के बीच मां गंगे की गोद में महाकुम्भ मेला में सम्पन्न हुआ. कुम्भ मेले में मां गंगे की गोद में पुस्तक के विमोचन को लेकर श्रद्धालुओं में उत्सुकता दिखी. उपस्थित लोगों ने इस प्यारे अनोखे विमोचन की सराहना भी की. डॉ क्षितिज ने इसे अपने जीवन की बड़ी उपलब्धि कही. उल्लेखनीय है कि इसके पूर्व डॉ. रमाकांत क्षितिज की कई रचनाएँ प्रकाशित हो चुकी हैं, जिनमें कहानी संग्रह, लघु कहानी संग्रह, काव्य संग्रह, संस्मरण और रिपोर्टज़ शामिल हैं.अमेठी उत्तर प्रदेश की मूल निवासी क्षितिज कल्याण मुंबई में रहते हुये हिन्दी के साथ अवधी भाषा में भी लिखते हैं. इसके पूर्व में भी संगम में नाव पर मंच बनाकर काश ! आठवीं संतान लड़की होती काव्य संग्रह का विमोचन कर चुके हैं. आप के कहानी संग्रह जीवन संघर्ष को महाराष्ट्र राज्य हिन्दी साहित्य अकादमी का पुरस्कार मिल चुका है. इस अवसर पर रामचंद्र दुबे, शशिकांत तिवारी, भानुमती तिवारी, संगीता तिवारी,श्रीकांत तिवारी,मानसी तिवारी, अजीत मिश्र, पंडित अमर आदि उपस्थित रहे. अनेक संत महात्माओ व साहित्य प्रेमियों के बीच हुआ यह विमोचन लोगों में चर्चा के साथ कौतूहल का विषय बन गया . कान्हा जी, मां गंगे, तीर्थराज प्रयाग के साथ संत महात्माओं एवं संत श्री अप्रमेय प्रपन्नाचार्य के साथ उपस्थित सभी साहित्य प्रेमी जनों व भक्तों के प्रति डॉ.रमाकांत क्षितिज ने आभार व्यक्त किया।

धूमधाम से मनाई गई बसंत पंचमी

नोएडा। सेक्टर-5, हरौला ऋषि चैरिटेबल ट्रस्ट में बसंत पंचमी का उत्सव बड़े धूमधाम के साथ मनाया गया । संस्थापक भारती नेगी ने मां सरस्वती की पूजा अर्चना की पाठशाला में पढ़ने वाले बच्चों ने रंगारंग संस्कृति प्रस्तुति दी । बसंत पंचमी के अवसर पर मां सरस्वती की आराधना करते हुए यज्ञ का आयोजन किया गया सभी बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ इसमें हिस्सा लिया और मां सरस्वती की पूजा की बच्चों ने बसंत का स्वागत मां सरस्वती वंदना और बसंत गीत गाकर किया कार्यक्रम में बच्चों ने पीले रंग के कपड़े पहने शिक्षकों ने बच्चों को बसंत पंचमी पर्व की उपयोगिता के बारे में बताते हुए पीले रंग के महत्व के बारे में बताया इस दौरान बच्चों ने संस्कृति कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी संस्थापक भारती नेगी ने बताया कि बसंत पंचमी के दिन मां सरस्वती की विशेष पूजा की जाती है बसंत पंचमी मनाने की परंपरा के बारे में बताया गया संस्थापक भारती नेगी ने बताया कि आज हमारी पाठशाला में दो बच्चियों का जन्मदिन संस्था के सहयोग से केक काटकर मनाया गया भारती नेगी ने दोनों बच्चों को उपहार में वस्त्र दिए वस्त्र को देखकर दोनों बच्चों के चेहरे पर मुस्कुराहट की झलक नजर आई. सभी बच्चों ने मिलकर जन्मदिन की दोनों बच्चों को बधाइयां दी । इस मौके पर भारती नेगी, जीएस नेगी, बनिता,सैयद फहीम अहमद, रीना, प्रीति, आरती, राखी,कुसुम, आदि लोगों उपस्थित रहे।

विश्व हिंदू परिषद नोएडा में समरसता की ऐतिहासिक गूंज

नोएडा। विश्व हिंदू परिषद नोएडा महानगर द्वारा सामाजिक समरसता संगोष्ठी का आयोजन भाऊराव देवरस सरस्वती विद्या मंदिर,एच 107 सेक्टर 12 मे किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य जातियों में बंटे हिन्दू समाज को जाग्रत कर एकता और समरसता घोलने का रहा कार्यक्रम के मुख्य वक्ता श्रीमान विनायक राव देशपांडे जी केंद्रीय सह संगठन महामंत्री विश्व हिंदू परिषद ने स्पष्ट शब्दों बताया कि अब जातियों में बंटे हिंदू समाज को एकजुट करने का समय आ गया है। छुआछूत और जातिगत भेदभाव को सदा के लिए समाप्त करना ही इस अभियान का मुख्य उद्देश्य है। हिंदू समाज केवल एक है - हम सब भाई-भाई हैं।卐 समरस हिंदू समाज,समर्थ भारत ऐसा संदेश दिया विश्व हिन्दू परिषद नोएडा महानगर की अध्यक्ष बहन छाया सिंह ने कहा सभी हिंदू सहोदर भाई हैं। जन्म के आधार पर कोई छोटा बड़ा नहीं होता है। हम सब ऋषिपुत्र हैं और भारत माता की संतान हैं। विहिप नोएडा महानगर के मंत्री दिनेश महावर जी ने कहा कि जात पात कि करो विदाई , हिन्दू - हिन्दू भाई-भाई और हिन्दू समाज वट वृक्ष के समान है। इस मौके पर कार्यक्रम अध्यक्ष श्री बालक राम प्रधान जी निवासी गांव विशनपुरा, विशिष्ट अतिथि श्री रविन्द्र जंघालिया वाल्मीकि जी, श्री राजकुमार डुगर जी प्रांत मंत्री मेरठ प्रांत ने कहा जाति के नाम पर फैली दूरियों को मिटाने और समरसता का संकल्प दोहराने के लिए एक विशाल सामाजिक समरसता संगोष्ठी का आयोजन नोएडा महानगर मे किया गया इस भव्य कार्यक्रम ने पूरे शहर में एक नई चेतना संचार हुआ, अब जाति नहीं, हिंदू पहचान होगी पहली प्राथमिकता! कार्यक्रम की व्यवस्था में लगे महानगर कोषाध्यक्ष अनिल जी , महानगर उपाध्यक्ष सतवीर जी, अनुराधा जी , महानगर समरसता प्रमुख श्यामवीर जी, सह समरसता प्रमुख वीरू जी, सह मंत्री राजीव जी , प्रवेश जी, बजरंग दल संयोजक सुमित जी , धर्म प्रसार प्रमुख जितेंद्र जी, प्रचार प्रमुख राहुल जी , द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमे नोएडा महानगर के हिन्दू समाज व सभी प्रखण्ड , खण्ड समिति उपस्थित रही।

स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने में मील का पत्थर साबित होगा बजट :डॉ डीके गुप्ता

नोएडा। केंद्रीय बजट से खासतौर पर कैंसर मरीजों, मेडिकल छात्रों और दवा खर्च से जूझ रहे आम नागरिकों के लिए कई राहत भरी घोषणाएं की गई हैं। सरकार का यह कदम देश के स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करेगा और भारत को एक प्रमुख चिकित्सा गंतव्य बनाने में मदद करेगा। यह बातें फेलिक्स हॉस्पिटल के डॉ डीके गुप्ता ने कही।

उन्होंने कहा कि इस बार 50,65,345 करोड़ रुपये पेश किया गया है। इनमें सरकार ने स्वास्थ्य सेक्टर के लिए 98 हजार 311 करोड़ रूपये का प्रावधान किया है। जो कि कुल बजट का 1.94 प्रतिशत है। पिछले साल केंद्र सरकार ने कुल 86 हजार 582 करोड़ रूपये का प्रावधान स्वास्थ्य सेक्टर के लिए किया था। इस बार के बजट में 11 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। हालांकि स्वास्थ्य बजट को जीडीपी के 5 प्रतिशत तक बढ़ाया जाना चाहिए, ताकि बढ़ती आबादी और बुजुर्गों की स्वास्थ्य जरूरतों को पूरा किया जा सके। अभी जीडीपी का लगभग 2.5 प्रतिशत हिस्सा हेल्थकेयर पर खर्च किया जा रहा है। यह दुनिया के अधिकतर विकसित देशों के मुकाबले में काफी कम है। बजट में बताया गया है कि भारत में मेडिकल टूरिज्म को बढ़ाया जाएगा और आसानी से वीजा उपलब्ध कराया जाएगा। कैंसर जैसी बीमारी का इलाज कराना अब लोगों के लिए आसान होगा। देश के 200 जिला अस्पतालों में कैंसर डे केयर सेंटर खोले जाएंगे। कैंसर की 36 दवाईयां भी होंगी सस्ती। कई सारे मेडिकल उपकरण सस्ते होंगे। सरकार ने दवा इंटस्ट्री को प्रोत्साहन देने के लिए तकरीबन ढाई हजार करोड़ रूपये पीएलआई (प्रोडक्शन लिंक्ड इनिशिएटिव) के मद में आवंटित किया है। बजट में आयुष्मान योजना के लिए 9 हजार 406 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है। जबकि आयुष्मान भारत हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए 4 हजार 200 करोड़ का आवंटन किया गया है। कई दवाईयों पर टैक्स में छूट मिलेगी, जिससे दवाईयों की कीमत कम होगी। सरकार ने चिकित्सा उपकरणों पर करों में छूट देने का निर्णय लिया है, जिससे ये अधिक

किफायती होंगे। इससे मरीजों और अस्पतालों को वित्तीय राहत मिलेगी। कई जरूरी दवाइयों पर टैक्स में छूट मिलेगी। इससे दवाइयों की कीमतें कम होंगी और मरीजों को किफायती दरों पर इलाज उपलब्ध होगा। सरकार ने मौजूदा स्वास्थ्य ढांचे को बेहतर बनाने के लिए नई परियोजनाएं शुरू करने का संकेत दिया है। सरकार ने इस बजट में स्वास्थ्य सेवाओं को ज्यादा व्यापक और प्रभावी बनाने पर जोर दिया है। देश के दूर-दराज के इलाकों तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के लिए सरकार टेलीमेडिसिन और डिजिटल हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर को भी मजबूत कर रही है। बजट में स्वास्थ्य क्षेत्र को प्राथमिकता दी गई है। वित्त मंत्री ने स्वास्थ्य क्षेत्र में ढांचागत सुधारों, कैंसर के इलाज को सुलभ बनाने और मेडिकल शिक्षा के विस्तार की दिशा में कई बड़े ऐलान किए। 2014 से अब तक सरकार ने 1.1 लाख मेडिकल स्नातक और स्नातकोत्तर सीटें बढ़ाई हैं। अब सरकार अगले साल अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों में 10,000 और मेडिकल सीटें जोड़ेगी, जिससे मेडिकल छात्रों को लाभ मिलेगा और देश में डॉक्टरों की संख्या में इजाफा होगा। इससे ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने में मदद मिलेगी। बजट में कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के इलाज को सस्ता और सुलभ बनाने की दिशा में भी कई बड़े फैसले लिए गए हैं। देश के 200 जिला अस्पतालों में कैंसर डे-केयर सेंटर स्थापित किए जाएंगे, जिससे मरीजों को अपने ही जिले में बेहतर इलाज मिल सकेगा और उन्हें बड़े शहरों में जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। सरकार ने कैंसर और दुर्लभ बीमारियों के इलाज में काम आने वाली 36 दवाओं को शुल्क मुक्त कर दिया है, जिससे इनकी कीमतों में भारी कमी आएगी। साथ ही 6 अन्य महत्वपूर्ण दवाओं पर भी सरकार ने रियायती दरों पर छूट देने की घोषणा की है। इससे लाखों मरीजों को राहत मिलेगी। सरकार ने स्वास्थ्य क्षेत्र में मेडिकल टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए भी खास कदम उठाए हैं। अब भारत में इलाज के लिए आने वाले विदेशी नागरिकों को आसान वीजा सुविधा दी जाएगी। इससे भारत में चिकित्सा क्षेत्र को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलेगी और विदेशी मरीजों को भी कम लागत में बेहतरीन इलाज उपलब्ध होगा। यह बजट राशि स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार मौजूदा कार्यक्रमों को मजबूत करने और नई स्वास्थ्य पहलें लागू करने में उपयोग होगी। सरकार का फोकस विशेष रूप से राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य योजनाओं को बेहतर बनाने पर है।

विजय कौशल जी की श्रीराम कथा के लिए बैंड बाजे के साथ निकली भव्य कलश यात्रा

देव मणि शुक्ल

नोएडा। मंगलमय परिवार न्यास की तरफ से दिव्य श्री राम कथा का आयोजन 1 से 9 फरवरी 2025 तक शाम 3ः00 बजे से 6ः00 तक रामलीला मैदान नोएडा स्टेडियम सेक्टर 21 में किया जाएगा। इसी क्रम में दिव्य श्रीरामकथा से पहले शुक्रवार को नोएडा स्टेडियम में बैंड बाजे के साथ कलशयात्रा निकाली गई। इसमे सैंकड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया। महिलाओं के सिर पर कलश थे जबकि पुरुषों के हाथ मे मंजीरा बज रहे थे। इस दौरान बंसीधर दास के नेतृत्व में इस्कॉन नोएडा की टीम और वाईएसएस फाउंडेशन के वोलेंटियर भी सुरक्षा व्यवस्था के लिए और नोएडा पुलिस व ट्रैफिक पुलिस भी साथ साथ चल रहे थे।नोएडा स्टेडियम में लगभग 9 दिन तक चलने वाली यह राम कथा वृंदावन में चल रही श्रीजी की रसोई की सहायतार्थ होगी। राम कथा का वाचन/ गायन प्रख्यात मानस मर्मज्ञ पूज्य संत श्री विजय कौशल जी महाराज द्वारा किया जाएगा। कलश यात्रा गेट नम्बर सात से शुरू हुई और सेक्टर 12 में पेट्रोल पंप के सामने से निकलकर सेक्टर 22 और एडोब चौराहे से सेक्टर 25 की तरफ घूमी। गेट नम्बर 4 से कलश यात्रा ने स्टेडियम में प्रवेश किया। इसके बाद वापसी कथा स्थल पर समापन हुआ। कलश यात्रा के दौरान भगवान श्रीराम दरबार और पवित्र श्री रामायण रथ में विराजमान थे। समापन के बाद सभी कलशों को मंच के साथ रख दिया गया। उल्लेखनीय है कि वृंदावन में चल रही श्रीजी की रसोई का संचालन पूज्य महाराज जी के द्वारा श्री कृष्ण जन्माष्टमी 2022 से किया जा रहा है। इस पावन प्रकल्प का शुभारंभ पूज्य योगी आदित्यनाथ जी के द्वारा किया गया था। इस प्रकल्प के लिए भवन को उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा रसोई के संचालन के लिए दिया गया। दिसम्बर 2024 तक इस रसोई में अतिथियों की संख्या 9 लाख तक पहुंच गई है। आप सब की सहायता से चलने वाली इस रसोई की सहायता के लिए ही नोएडा में श्री राम कथा का आयोजन किया जा रहा है। इस कथा के माध्यम से नोएडा के 1100 परिवारों को मंगलमय परिवार से जोड़ने की कोशिश की जा रही है। आयोजन समिति के अध्यक्ष महेश गुप्ता ने बताया कि श्री राम कथा के लिए भव्य पंडाल लगाया गया है। शुक्रवार को रामलीला मैदान से भव्य कलश यात्रा सुबह 10.30 बजे से निकाली गई।

राम कथा के आयोजन से संबंधित व्यवस्थाओं के बारे में महेश गुप्ता जी ने बताया कि पंडाल में लगभग ढाई हजार लोगों के बैठने की व्यवस्था होगी। कथा सुनने वालों के लिए शहर के विभिन्न स्थानों से लाने और ले जाने के लिए बसों की व्यवस्था भी की जा रही है। राम कथा में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर खास इंतजाम किए गए हैं। पूरे पंडाल में सभी तरफ से आने वाले लोगों पर सीसीटीवी कैमरे से नजर रहेगी। व्यवस्था बनाए रखने के लिए समन्वय टीम बनाई गई है। वालंटियर और सुरक्षा गार्ड पूरी कथा के दौरान व्यवस्था बनाने में सहयोग करेंगे।

कलश यात्रा में नेवैद्य शर्मा, परमात्मा शरण बंसल, धर्मपाल गोयल, एन के अग्रवाल, एस एन गोयल, प्रमोद शर्मा, संजय गोयल, संजय गुप्ता, संदीप अग्रवाल, बलराज गोयल , महेंद्र शाह, विमल अग्रवाल, मुकुल वाजपेयी, राजीव अजमानी, संदीप तायल, पवन शर्मा, संजय बाली, अजय पुन्डीर, विनय अग्रवाल आदि मौजूद रहे ।

नोएडा स्टेडियम में चल रही श्री राम कथा में बढी भक्तों की भीड़

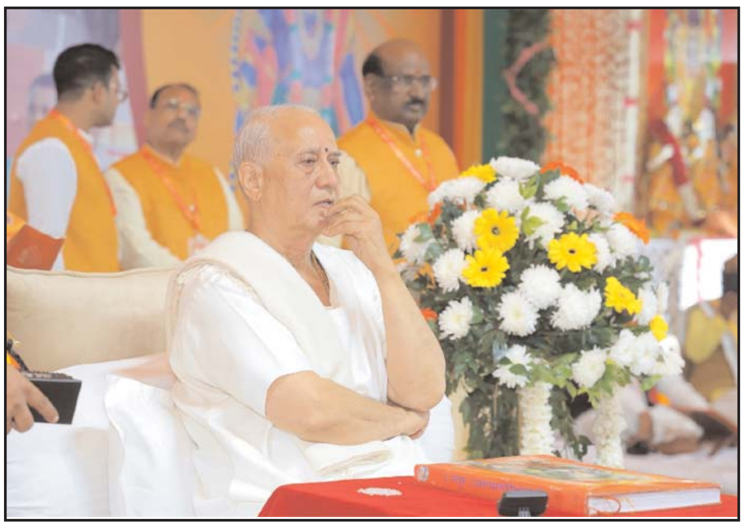

नोएडा। श्री जी रसोई की सहायतार्थ आज से दिव्य श्री राम कथा का प्रथम चरण नोएडा स्टेडियम में शुरू हुई.. कथा व्यास परम पूज्य संत श्री विजय कौशल जी महाराज के श्री मुख से भगवान राम के जीवन से सीख लेने और उनके जीवन का अनुसरण करने के मार्गदर्शन मिला।आज की कथा में महाराज जी ने भगवान शंकर देवी सती एवं भक्तराज ध्रुव के साथ-साथ बहुत सारी कथाएं सुनाई। कथा के पहले दिन हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल महामहिम श्री शिव प्रताप शुक्ल जी, गौतमबुद्ध नगर के सांसद महेश शर्मा जी, नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डॉ. लोकेश एम, एचपीडीए के सीईओ नितिन गौड़ जी, मुखिया यजमान नवेध शर्मा जी के साथ अनेक गणमन्यौ एवं भक्तों ने कथा का श्रवण किया..मंगलमय परिवार नोएडा के संरक्षक महेश गुप्ता ने सबसे निवेदन किया कि सभी भक्त अधिक से अधिक संख्या में आएं और पुण्य प्राप्त करें। आज की कथा में कई ऐसे प्रसंग आए जब भक्त भाव विभोर हुए। नेवैद्य शर्मा, परमात्मा शरण बंसल, धर्मपाल गोयल, एन के अग्रवाल, एस एन गोयल, प्रमोद शर्मा, संजय गोयल, संजय गुप्ता, संदीप अग्रवाल, बलराज गोयल , महेंद्र शाह, विमल अग्रवाल, मुकुल वाजपेयी, राजीव अजमानी, संदीप तायल, पवन शर्मा, संजय बाली, अजय पुन्डीर, विनय अग्रवाल आदि मौजूद रहे ।

रामायण-महाभारत ज्ञान प्रतियोगिता से संस्कारों की अलख, बच्चों में दिखा जबरदस्त उत्साह

नोएडा। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) नोएडा महानगर द्वारा सेक्टर-56 स्थित उत्तराखंड पब्लिक स्कूल में रामायण और महाभारत ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य बच्चों को सनातन धर्म के पवित्र ग्रंथों का गहन ज्ञान प्रदान करना और उनमें उत्तम संस्कारों का विकास करना है। इस कार्यक्रम को विहिप के तीन प्रमुख स्तंभों-सेवा, सुरक्षा और संस्कार के तहत आयोजित किया गया, जिसमें बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। प्रतियोगिता के दौरान छात्रों ने रामायण और महाभारत के महापुरुषों के चरित्रों से प्रेरणा लेकर जीवन के नैतिक मूल्यों को समझने की कोशिश की। प्रतियोगिता की प्रभारी वरिष्ठ अध्यापिका श्रीमती अंजू लता ने बताया कि बच्चों में इस आयोजन को लेकर गजब का उत्साह था। इस परीक्षा की तैयारी के दौरान छात्रों ने रामायण और महाभारत के प्रसंगों को न सिर्फ पढ़ा, बल्कि उनके मूल्यों को भी आत्मसात किया। यह पहल बच्चों को अपनी संस्कृति से जोड़ने का बेहतरीन माध्यम बनी है। स्कूल की प्रधानाचार्या श्रीमती मोहिनी नेगी ने इस प्रतियोगिता को एक सकारात्मक कदम बताते हुए कहा, हमारा उद्देश्य केवल पाठ्य पुस्तकों की शिक्षा देना नहीं, बल्कि बच्चों को नैतिकता और भारतीय संस्कृति से जोड़ना भी है। इससे उनमें अपने धर्म ग्रंथों के प्रति रुचि बढ़ेगी और वे अच्छे संस्कार विकसित कर पाएंगे। इस प्रतियोगिता के संयोजक विश्व हिंदू परिषद नोएडा महानगर सह मंत्री राजीव शर्मा ने कहा कि यह केवल एक परीक्षा नहीं, बल्कि बच्चों के अंदर संस्कारों की नींव मजबूत करने का प्रयास है। उन्होंने यह भी बताया कि यह प्रतियोगिता डीएवी स्कूल (सेक्टर-56), मोरना केपीएस स्कूल, गढ़ी चौखंडी के हरपत सिंह स्कूल सहित नोएडा के अन्य कई विद्यालयों में भी कराई जाएगी।

खिलाड़ियों को मिलेगी मुफ्त स्वास्थ्य सुविधा डॉ हलदर्स ऑर्थोविजन हेल्थकेयर का शुभारंभ

नोएडा। गौतमबुद्ध नगर के खिलाड़ियों और जरूरतमंदों के लिए एक बड़ी सौगात के रूप में, नोएडा सेक्टर 141 में डॉ हलदर्स ऑर्थोविजन हेल्थकेयर का शुभारंभ हुआ। इस हॉस्पिटल में जिले के हर खेल के शीर्ष खिलाड़ियों को मुफ्त स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इस हॉस्पिटल का उद्घाटन भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता गोपाल कृष्ण अग्रवाल ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा, ﬆयह पहल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के %स्वस्थ भारत% के विज़न को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। खेल हमारे समाज और युवाओं को सशक्त बनाने का माध्यम है। ऐसे में खिलाड़ियों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं देकर हम उनके प्रदर्शन को नई ऊंचाई पर ले जाने में मदद करेंगे। हॉस्पिटल की स्थापना डॉ अभिषेक हलदर और डॉ श्रीदेवी हलदर द्वारा की गई है। इसका उद्देश्य खिलाड़ियों के साथ-साथ जरूरतमंदों को अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करना है। हॉस्पिटल में पहले 10 आने वाले मोतियाबिंद के मरीजों का ऑपरेशन निःशुल्क किया जाएगा। यह सुविधा आगे भी जरूरतमंदों और असहाय लोगों के लिए निःशुल्क उपलब्ध रहेगी, जिससे समाज के कमजोर वर्गों को लाभ मिलेगा। डॉ हलदर्स ऑर्थोविजन हेल्थकेयर न केवल खिलाड़ियों और जरूरतमंदों के स्वास्थ्य का ध्यान रखेगा, बल्कि यह क्षेत्र में खेल और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने का एक प्रमुख केंद्र बनेगा। कार्यक्रम में डॉ अजय वाधवान और अजय अरोड़ा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इसके अलावा, प्रशांत कुमार हलदर, डॉ अशोक गुंडा, डॉ अनिल पांडे, अविनाश सिंह, डॉ शशेन्द्र, अशोक अग्रवाल और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी इस शुभ अवसर पर मौजूद रहे।

सपा नोएडा महानगर के पी डी ए पंचायत में पार्टी की मजबूती और जन समस्याओं के निराकरण पर जोर

नोएडा। समाजवादी पार्टी नोएडा महानगर के पी डी ए पंचायत का आयोजन सेक्टर 34 नोएडा में किया गया। बैठक की अध्यक्षता महानगर अध्यक्ष डॉक्टर आश्रय गुप्ता ने किया। कार्यक्रम का संचालन महासचिव विकास यादव के द्वारा किया गया।डॉक्टर आश्रय गुप्ता ने कहा कि आज वर्तमान सरकार और राज्य सरकार की जन विरोधी नीतियों से आम जनता पूरी तरह से प्रताड़ित है बेलगाम होती महंगाई और बेरोजगारी पर सरकार का कोई नियंत्रण नहीं है। महासचिव विकास यादव ने कहा कि भाजपा सरकार आम जनता को नहीं बल्कि पूंजीपतियों को लाभ पहुंचाने के लिए काम कर रही है। बबली शर्मा ने सपा की नीतियों और कार्यक्रमों को जनता तक पहुंचाने और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए प्रभावी कदम उठाने का आवाहन किया। कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य लोगों में वीरपाल प्रधान, दिव्यांशु यादव, मोहित यादव, राणा मुखर्जी ,इंद्रजीत सिंह, भूपेंद्र सिंह ,आशीष त्यागी ,सूरज सिंह, वीरेंद्र कुमार ,मलखान सिंह, गौरव भाटिया ,गोपाल सिंह, बबली शर्मा ,सौरभ चौहान मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

सपा नोएडा महानगर ने छोटे लोहिया जनेश्वर मिश्र को किया शत-शत नमन

नोएडा। छोटे लोहिया के नाम से विख्यात जनेश्वर मिश्र की 15 वीं पुण्यतिथि पर सेक्टर 53 स्थित कंचनजंगा मार्केट सपा नोएडा महानगर कार्यालय पर नोएडा महानगर अध्यक्ष डॉ आश्रय गुप्ता की अध्यक्षता में उनके चित्र पर फूल माला चढ़ाकर उनको याद किया। डॉक्टर आश्रय गुप्ता ने कहा कि जनेश्वर मिश्र ने समाजवाद का पर्चा लहराया था उन्होंने हमेशा दलित शोषित और पीड़ितों की लड़ाई लड़ी थी उन्होंने सदैव समाज के बारे में चिंतन किया ,उन्होंने अपनी पूरी जिंदगी समाजवादियों के लिए समर्पित कर दिए, उन्होंने वर्तमान सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि आज नोएडा शहर में स्वास्थ्य ,शिक्षा और कानून व्यवस्था पूरी तरह से लचर हो चुकी है सरकारी अस्पताल में लोग बिना इलाज और दवाई के परेशान हैं नोएडा के जनसंख्या के अनुपात में ना तो यहां कॉलेजों की संख्या बढ़ाई गई और ना ही सरकारी स्कूलों की संख्या बढ़ाई गई, स्कूलों कॉलेज में व्यवस्था पूरी तरह फेल है, आज शहर में चारों तरफ भय का माहौल है लगातार लूट ,चोरी, कत्ल की वारदात शहर में बढ़ती जा रही है, प्रदेश सचिव सुनील चौधरी वह पूर्व अध्यक्ष रेशपाल अवाना ने कहा कि जनेश्वर मिश्र को छोटे लोहिया के नाम से भी जाना जाता है उनके रग रग में समाजवाद भरा हुआ था, वही मीडिया प्रभारी गौरव कुमार यादव व रामवीर यादव ने कहा कि आज जनेश्वर मिश्र की जयंती पर सभी समाजवादी लोग व्रत लेंगे कि वे जनेश्वर मिश्र के बताए मार्ग पर चलकर भाजपा की भय भूख और भ्रष्टाचार के उल्टे पड़े नारे को जन-जन तक पहुंचाएंगे और उन्हें बताएंगे कि महंगाई किस चरम पर है पेट्रोल डीजल महंगे हो गए हैं इसके साथ सरसों का तेल और अन्य चीजों के दाम भी आसमान छू रहे हैं,आज के बैठक में मौजूद मुख्य लोगों में वीरपाल प्रधान ,योगेश भाटी, अमित बसोया , बबली शर्मा, महकार तंवर, दिव्यांशु यादव, रामवीर यादव,कविता गुर्जर,सतवीर यादव, राम सहेली , गौरव सिंघल, रामवीर चौधरी, अनुराग यादव, सनी सिंगर,वीर बहादुर, विश्वास ,सिकंदर पासवान मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

दिल्ली प्रचार में जुटे कांग्रेसी नेता

देव मणि शुक्ल

नोएडा। उत्तर प्रदेश काँग्रेस कमेटी के पूर्व सदस्य कांग्रेसी नेता सतेन्द्र शर्मा ने काँग्रेस पार्टी के निर्देशानुसार एव अल्पसंख्यक विभाग के राष्ट्रीय सचिव गोकलपुर विधानसभा के ऑबजर्वर लियाकत चोधरी दोनो नेता ने गोकुलपुर विधानसभा से काँग्रेस प्रत्याशी श्री ईश्वर सिंह बागड़ी के साथ गंगा बिहार में डोर टू डोर जनसम्पर्क कर कांग्रेस पार्टी के समर्थन में वोट की अपील की,श्री सतेन्द्र शर्मा ने बताया है कि दिल्ली में काँग्रेस मजबूती से चुनाव लड़ रही है दिल्ली की मुख्यमंत्री स्वर्गीय शीला दीक्षित जी के कामो को जनता याद कर रही है केजरीवाल ने दिल्ली को बदहाल कर दिया है कोई काम जनता के हित मे नही किया है,अल्पसंख्यक विभाग के राष्ट्रीय सचिव लियाकत चौधरी ने कहा है कि जनता से झूठे वादे केजरीवाल सरकार ने किए है जनता माफ नही करेंगी अबकी बार दिल्ली की जनता ने कांग्रेस के साथ चलने का वादा किया है,इस अवसर पर बॉबी पंचाल,देवदत्त शर्मा,रवि तिवारी,अली हसन,गमन बागड़ी,रोहित सहित सैकड़ों कार्यकर्ता रहें।

अमेठी में बुजुर्ग सम्मान समारोह

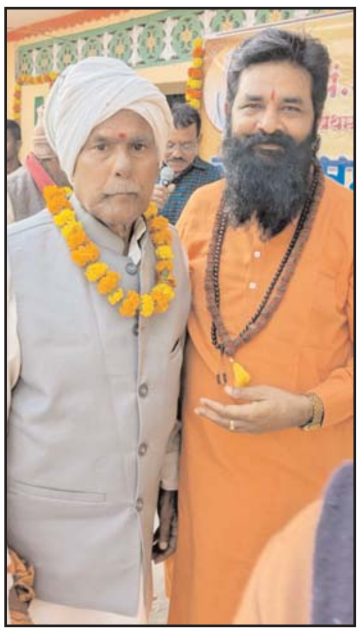

अमेठी। भेटुवा ब्लॉक के पूरे हरिराम तिवारी का पुरवा हारीपुर गांव में स्व. पंडित श्रीभगवान तिवारी स्मृति में % बुजुर्ग सम्मान समारोह % का आयोजन किया गया. आयोजक डॉ. रमाकांत क्षितिज ने बताया कि इस सम्मान समारोह में बुजुर्गों का जहाँ सम्मान किया गया वहीं समाज में बुजुर्गों की मौजूदा हालात पर चर्चा भी की गई. जिसमें शिक्षाविद डॉ. अरविन्द चतुर्वेदी, डॉ. अमरनाथ तिवारी, श्रीराम तिवारी , जगदीश पाण्डेय. जगत सिंह, राममिलन शर्मा, मुंशी रज़ा, स्वामी नाई, मेवा विमल, राजकमल सिंह, वंशराज पाल के साथ कई लोगों ने अपने अपने विचार रखे . इस अवसर पर बोलते हुये डॉ. रमाकांत क्षितिज ने कहा कि बुजुर्ग समाज की जीडीपी हैं. इनकी उचित देखभाल होनी ही चाहिये. सभी वक्ताओ ने कहीं कहीं हो रही बुजुर्गो की उपेक्षा पर दुःख भी व्यक्त किया. इस सम्मान समारोह में सैकड़ो बुजुर्गों ने भाग लिया. उल्लेखनीय है कि डॉ. रमाकांत क्षितिज इस तरह का आयोजन प्रति वर्ष अपने गांव में आयोजित करते रहते हैं. इस आयोजन में शशिकांत तिवारी की विशेष भूमिका रही. इस अवसर पर अति बुजुर्गो के लिये जो कुम्भ मेला नही जा सकते उनके लिये प्रतिकात्मक कुम्भ की झांकी भी बनाई गई. जिसे लेकर बुजुर्गो में भी उत्सुकता दिखाई दी . सभी ने त्रिवेणी संगम का दर्शन किया तत्पश्चात लेटे हनुमान जी की प्रतिकीर्ति हनुमान जी की तस्वीर का दर्शन लाभ लिया. अंत में सभी बुजुर्गों को महाप्रसाद भोज करने का भी अवसर मिला. इस सुन्दर अनोखे आयोजन की चर्चा आसपास परिसर में खूब हो रही है.

औद्योगिक विकास प्राधिकरण में मनाया गया 34वां स्थापना दिवस

जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने अस्तौली के किसानों को दी बड़ी सौगात, 16 किसानों को बांटे 10 करोड़ रुपए की धनराशि से भी अधिक के चेक

नोएडा। विगत दिनों मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जनपद गौतमबुद्धनगर भ्रमण के दौरान जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने डंपिंग ग्राउंड को मुद्दे को उनके समक्ष रखा था। जिसके बाद किसानों के हित में यह निर्णय लिया गया। आज दिनांक 28 जनवरी 2025 को जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह के प्रयास से ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण के 34वें स्थापना दिवस के मौके पर ग्राम अस्तौली के डंपिंग ग्राउंड से प्रभावित 16 किसानों को तकरीबन 10 करोड रुपए की धनराशि से भी अधिक की धनराशि के चेक वितरित किए। इस मौके पर जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह ने उपस्थित किसानों को आश्वस्त करते हुए कहा कि गौतमबुद्धनगर के किसान भाइयों की लंबित समस्याओं को चिन्हित कर लिया गया है, जिनका शीघ्र निराकरण होगा। साथ ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनपद के तीनों ही प्राधिकरण को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि किसानों की तत्कालीन लंबित समस्याओं का शीघ्र निराकरण किया जाए। जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह ने किसानों को आश्वस्त करता हूं कि जिस तरीके से इस जनपद के विकास में आपने अपनी भागीदारी सुनिश्चित की है, उसी की वजह से आज बड़ी-बड़ी परियोजनाओं पर काम चल रहा है। यह बदलाव है, जहां किसानों ने आगे आकर उस विकास को गति दी, जहां तत्कालीन सरकारों में किसानों की जमीनों को लेने के लिए उन पर गोलियां चलती थी। जेवर के विधायक धीरेंद्र सिंह ने ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण के उपस्थित अधिकारियों से कहा कि प्रदेश का विकास, किसानों की सहमति के बिना संभव नहीं है। इसलिए किसानों की आने वाली पीढ़ियां के लिए, हमें ऐसी योजनाएं बननी चाहिए, जिससे उनका जीवन स्तर उन्नत और खुशहाल हो। इससे पहले जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह ने ग्रेटर नोएडा अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी सुनील कुमार सिंह, श्रीलक्ष्मी वीएस, श्रीमति प्रेरणा सिंह, विशेष कार्याधिकारी गिरीश झा व जनरल मैनेजर (परियोजना) एके सिंह, जनरल मैनेजर (प्लानिंग) श्रीमति नीलू सहगल, आरके भारती, सीनियर मैनेजर नागेन्द्र सिंह व अन्य अधिकारियों के साथ अधिसूचित ग्रामों व ज़ेवर विधानसभा के सेक्टरों के विकास कार्यों को लेकर हुई विस्तृत चर्चा। जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह ने उपस्थित अधिकारियों से कहा कि सभी ग्रामों में एक कार्य योजना के माध्यम से विकास कार्य कराए जाएं।

भाकियू भूमिपुत्र ने किसानों की समस्यायों को लेकर धरना प्रदर्शन किया

नोएडा। भारतीय किसान यूनियन भूमिपुत्र ने राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर धीरेंद्र प्रताप सिंह के नेतृत्व में यमुना विकास प्राधिकरण ग्रेटर नोएडा में किसानों की समस्याओं को लेकर धरना प्रदर्शन किया इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष ने सरकार से मांग की यमुना प्राधिकरण के अंतर्गत आने वाले गांवों में प्रधान ना होने के कारण गांव के रास्ते, नाली स्थिति दयनीय हो रही है जिनकी मरम्मत अति आवश्यक है एयरपोर्ट का निर्माण कार्य होने के कारण जेवर सिकंदराबाद नेशनल हाईवे अन्य रास्ते बंद होने के कारण क्षेत्र के लोगों को रोजमर्रा के कार्यों हेतु तहसील, ब्लाक आदि जाने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है इसलिए बंद हुए रास्तों का सही विकल्प होना बहुत जरूरी है यमुना विकास प्राधिकरण के अंतर्गत आने वाले कस्बों झाझर,रबुपुरा, जेवर ,टप्पल ,जहांगीरपुर आदि विभिन्न क्षेत्रों में कॉलोनाइजरों के द्वारा बहुत बड़े पैमाने पर अवैध कॉलोनी बसाई जा रही हैं महोदय भोले वाले लोगों को कॉलोना इजरों के द्वारा एयरपोर्ट फिल्म सिटी आदि के सपने दिखाकर फंसा लिया जाता है इन अवैध कॉलोनाइजरों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाए ,जिससे आम आदमी के मेहनत का पैसा गलत हाथों में जाने से बच सके एयरपोर्ट एयरपोर्ट निर्माण कार्य हेतु बंद किए गए रास्तों का जब तक कोई विकल्प नहीं होता है तब तक स्थानीय लोगों को यमुना एक्सप्रेसवे के जेवर टोल प्लाजा से निशुल्क निकलने की व्यवस्था की जाए महोदय क्षेत्र में चल रही औद्योगिक कंपनियों में स्थानीय नौजवानों को प्राथमिकता से रोजगार दिया जाए तथा सभी कंपनियों में काम करने वाले मजदूरों से 8 घंटे की बजाय 12 घंटे काम लिया जा रहा है जो कि सही नहीं है इस पर भी उचित कार्रवाई की जाए, इस अवसर पर रवि राघव, राजीव शर्मा, केशव, सलमान, जितेंद्र, हेमराज, धीरज, मुकेश, नरेंद्र, रविंद्र सिंह, संजय, अनिल कुमार, कुंदन, जयपाल, असलम आदि किसान उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री ज्योति बीमा के तहत मृतक आश्रित को सौंपा दो लाख का चेक

मुसाफिरखाना अमेठी। प्रधानमंत्री ज्योति बीमा योजना के अंतर्गत भारतीय स्टेट बैंक शाखा मुसाफिरखाना के माध्यम से आकस्मिक मृत्यु के उपरांत शाखा प्रबंधक ने मृतक के नामित बैंक खाता धारक को सौपा दो लाख का चेक। बता दें कि बीते 18 अगस्त 2024 को नगर पंचायत कस्बा स्थित वार्ड नंबर 6 रामलीला मैदान निवासी राहुल कुमार पुत्र शिवशंकर की दौरान आकस्मिक मृत्यु हो गयी थी मृतक के नाम प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के अंतर्गत जीवन बीमा किया गया था स्थानीय भारतीय स्टेट बैंक शाखा मुसाफिरखाना के प्रबंधक पुष्पराज सिंह ने क्षेत्राधिकारी अतुल की मौजूदगी में मृतक के आश्रित नामित बैंक खाता धारक रोहित कुमार को दो लाख का चेक प्रदान किया शाखा प्रबंधक ने कहा कि जीवन बीमा की सहायता राशि को नामित खाते में जमा कर दी गयी इस दौरान ओमप्रकाश गुप्ता, ग्राहक सहायक लक्ष्य बजाज सहित अन्य मौजूद रहे।

संपादकीय....

सरकारी स्कूलों पर भरोसा

निर्विवाद रूप से आम लोगों की धारणा सरकारी स्कूलों के प्रति अच्छी नहीं रहती। थोड़ी आर्थिक स्थिति सुधरते ही लोग अपने बच्चों को महंगे निजी स्कूलों में भेजने को आतुर हो जाते हैं। कोरोना संकट ने बताया था कि जब तमाम लोगों की आर्थिक स्थिति खराब हुई और नौकरियां गई, तो सरकारी स्कूलों ने उनके बच्चों को सहारा दिया। आंकड़े बताते हैं कि कोरोना संकट के दौरान व बाद में सरकारी स्कूलों में बच्चों के दाखिलों में खासी तेजी आई थी। लेकिन यह सवाल नीति-नियंताओं के लिये विचारणीय है कि बेहतर संरचनात्मक सुविधाओं व ऊंचे वेतनमान वाले शिक्षकों के बावजूद सरकारी स्कूल जनमानस की आकांक्षाओं की कसौटी पर खरे क्यों नहीं उतरते। समाज के संपन्न तबके व अधिकारियों के बच्चे सरकारी स्कूलों में जाने से गुरेज क्यों करते हैं? बहरहाल, एनुअल स्टेटस ऑफ एजुकेशन रिपोर्ट यानी असर 2024 के जो निष्कर्ष बीते मंगलवार को दिल्ली में जारी किए गए, वे नई उम्मीद जगाते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों के छात्रों को लेकर किए गए अध्ययन वाली असर की रिपोर्ट बताती है कि देश में छह से चौदह वर्ष के बच्चों के पढ़ने की क्षमता और गणितीय कौशल में कोरोना संकट के बाद सुधार देखा गया है। सरकारी स्कूलों में तीसरी कक्षा के बच्चों के पढ़ने की बुनियादी क्षमता में पहले से सुधार हुआ है। जो पिछले दो दशकों में सर्वोत्तम स्तर पर है। अच्छी बात यह है कि सरकारी व निजी दोनों स्तर पर स्कूलों में विद्यार्थियों के बुनियादी गणितीय कौशल में सुधार देखा गया। जो पिछले एक दशक में बेहतर है। अब कक्षा तीन के छात्र घटाव के प्रश्न हल करने में सक्षम हैं। वहीं कक्षा पांच के बच्चे भाग के प्रश्न हल कर सकते हैं। अच्छी बात यह भी कि देशभर के स्कूलों में सीखने के स्तर में भी सुधार आया है। यह स्तर 2010 तक स्थिर था, फिर इसमें गिरावट का ट्रेंड देखा गया था। दरअसल,कोरोना काल में बच्चों के सीखने की क्षमता में गिरावट देखी गई। महामारी के चलते स्कूल बंद होने के बाद बच्चे पढ़ नहीं पाए। अधिकांश बच्चों के पास स्मार्टफोन नहीं थे। वहीं घर में माता पिता के कम पढ़े-लिखे होने या अनपढ़ होने से बच्चों का सीखने का मूलभूत कौशल प्रभावित हुआ था। बच्चे पहले का सीखा भूल गए और बड़ी संख्या में बच्चों को स्कूल भी छोड़ना पड़ा। असर की रिपोर्ट बताती है कि जहां नामांकन प्रतिशत में वृद्धि हुई है,वहीं डिजिटल साक्षरता की दर में भी वृद्धि देखी गई है। सुखद है कि कोरोना काल के बाद स्कूलों में पढ़ाई को लेकर गंभीरता देखी गई है। जागरूकता अभिभावकों के स्तर पर भी देखी गई है। हालांकि, बीते वर्ष के मुकाबले छह से चौदह वर्ष तक के बच्चों के दाखिलों में कमी देखी गई है। जिसकी वजह है कि कोरोना संकट के चलते रोजगार प्रभावित होने से जो बच्चे सरकारी स्कूलों की तरफ आए थे, वे फिर आय बढ़ने पर निजी स्कूलों की ओर रुख करने लगे हैं। दरअसल, सरकारी स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता को लेकर भरोसा कायम करने की जरूरत है। वैसे सरकारी स्कूलों में भी स्मार्टफोन इस्तेमाल करने वाले बच्चों की संख्या बढ़ी है। वहीं दूसरी असर की रिपोर्ट में पंजाब को लेकर कहा गया है कि स्कूली बच्चे पंजाबी पढ़ने को लेकर निराशाजनक प्रदर्शन कर रहे हैं। पंजाब सरकार के स्कूलों में कक्षा तीन के केवल 34 फीसदी छात्र ही दूसरी कक्षा की पाठ्य पुस्तकें पढ़ सकते हैं। हालांकि, पढ़ने की क्षमता और अंकगणित की समस्याओं के हल करने के मामले में सरकारी स्कूलों ने निजी स्कूलों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया । लेकिन चौंकाने वाली बात यह कि सरकारी व निजी स्कूलों के तीसरी कक्षा के 15 फीसदी से अधिक छात्र ही गुरुमुखी लिपि के अक्षर पढ़ सकते हैं, शब्द नहीं। वहीं 4.6 फीसदी छात्र पंजाबी के अक्षर भी नहीं पढ़ सकते। हालांकि, बुनियादी ढांचे के मोर्चे पर पंजाब राष्ट्रीय औसत से बेहतर स्थिति में रहा है। राष्ट्रीय स्तर से बेहतर 97.4 स्कूलों मे मध्याह्न भोजन परोसा गया। वहीं राष्ट्रीय औसत 11.1 के मुकाबले 32.7 फीसदी स्कूलों में छात्र कंप्यूटर का उपयोग करते हैं। लेकिन अभी सुधार की बहुत गुंजाइश है।

लोक लुभावन भी और राजनीतिक भी

केन्द्रीय बजट में कृषि और महिलाओं पर भी फोकस किया गया है। पीएम धन-धान्य योजना का प्रस्ताव किया गया है। किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड की सीमा तीन लाख से बढ़ाकर पांच लाख किया गया। इससे किसानों को अपनी आय बढ़ाने के लिए लाभ होगा। बजट की तैयारियों के बीच सोशल मीडिया पर एक खबर जुगनू की तरह आई और तत्काल लुप्त हो गई थी। जिसने जुगनू के उस प्रकाश को देखा और उसके संकेतों को समझने की कोशिश की थी, उन्हें इस बात का आभास हो गया था कि आम बजट में क्या होने जा रहा है। सोशल मीडिया पर आए उस समाचार में कहा गया था कि केंद्र सरकार के प्रति मध्य वर्ग पहले की तरह उत्साही नहीं है। किंचित वह केंद्र सरकार के कामकाज और सरकार की ओर से हो रही बेरूखी से वह परेशान और निराश है। सोशल मीडिया पर मध्य वर्ग की ऐसी प्रतिक्रियाओं पर मोदी की नजर रहती है। इसे देखते हुए उन्होंने अपने मंत्रियों से कहा था कि वे लोगों से सीधा संवाद करें। सोशल मीडिया यही खबर थी। लेकिन इस खबर के संकेत साफ थे। आम बजट में मध्य वर्ग को राहत मिलने के आसार तभी दिखने लगे थे। निर्मला सीतारमण की ओर से बारह लाख 75 हजार रूपए तक की आय पर मिली आयकर छूट को इसी संदर्भ में देखा जाना चाहिए। दिल्ली में विधानसभा चुनाव हो रहे हैं और कुछ महीनों बाद देश की राजनीति की धड़कन माने जाने वाली मगध की धरती यानी बिहार में भी चुनाव होना है। निर्मला सीतारमण की ओर से मिली आयकर छूट से सरकारी कर्मचारियों की भी राजधानी मानी जाने वाली दिल्ली चुनाव पर असर पड़ना तय माना जा रहा है। शायद यही वजह है कि अरविंद केजरीवाल मोदी सरकार के बजट से खुश नहीं हैं और कह रहे हैं कि इस बजट से आम लोगों को कोई राहत नहीं मिली है। इस बजट में बिहार को बहुत कुछ मिला है। निर्मला सीतारमण ने बजट प्रस्ताव में बिहार के किसानों के लिए मखाना बोर्ड का एलान किया है। इससे बिहार के मखाना किसानों को राहत मिलने के आसार है। इसके उत्पादन, प्रोसेसिंग, वैल्यू एडिशन और मार्केटिंग के अवसर बढ़ेंगे। जाहिर है कि इसका सीधा फायदा बिहार के ही लोगों को मिलेगा। बजट प्रस्तावों में मखाना निकालने के काम में लगे लोगों के लिए भी सरकारी राहत

की बात की गई है। यानी मखाना उत्पादक, उसके वितरक और उसके कामगार, सबको राहत और मौका देने की बात की गई है। प्रस्तावित मखाना बोर्ड की एक और जिम्मेदारी होगी। वह किसानों को प्रशिक्षण और सहयोग भी देगा। साथ ही उन्हें सरकार की तरफ से मिलने वाले फायदों को भी सुनिश्चित करेगा। वैसे देखें तो मध्य वर्ग को केंद्र सरकार ने इन बजट प्रस्तावों के जरिए एक लाख करोड़ रुपए का उपहार दिया है। इसमें 12 लाख 75 हजार रुपए की आमदनी वाले लोगों को जहां टैक्स में 80 हजार रुपए का फायदा हुआ है। आयकर में छूट की मांग अरसे होती रही है। पिछले कई बजट में ऐसी छूट नहीं मिलती थी तो लोग इसे लेकर निराश होते रहते थे। बहरहाल 16 लाख रुपए की आमदनी वाले लोगों को टैक्स में 50 हजार रुपए का फायदा हुआ है तो 18 लाख रुपए की आमदनी वाले को टैक्स में 70 हजार रुपए का लाभ दिख रहा है। इसी तरह 20 लाख रुपए की आमदनी वाले को 90 हजार रुपए का फायदा होगा तो 25 लाख रुपए की आमदनी वाले को एक लाख दस हजार रुपए का नए टैक्स नियमों से फायदा होगा। इसी तरह 50 लाख रुपए की आमदनी वाले को भी एक लाख दस हजार रुपए का फायदा हो रहा है। जाहिर है कि मध्य वर्ग को इससे फायदा होता नजर आ रहा है। वायस ऑफ बैंकिंग के प्रमुख अश्विनी राणा के अनुसार, टैक्स बचने से लोगों के हाथ में ज्यादा पैसा आयेगा। इससे लोगों की खरीद क्षमता बढ़ेगी। इससे आर्थिक गतिविधियों में तेजी आने की संभावना है। केन्द्रीय बजट में कृषि और महिलाओं पर भी फोकस किया गया है। पीएम धन-धान्य योजना का प्रस्ताव किया गया है। किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड की सीमा तीन लाख से बढ़ाकर पांच लाख किया गया। इससे किसानों को अपनी आय बढ़ाने के लिए लाभ होगा। भारतीय पोस्ट यानी इंडियन पोस्ट के दफ्तरों के जरिए ग्रामीण क्षेत्र में सुविधाएं बढ़ाने की कोशिश की जा रही है। इसका लाभ भी किसानों और ग्रामीण क्षेत्र के छोटे उद्योगों को लाभ मिलेगा। एमएसएमई को राष्ट्रीय मिशन के रूप में लिया जाएगा और नए वर्गीकरण तथा ऋण में भी बढ़ोतरी से लाभ होगा। एमएसएमई को भी क्रेडिट कार्ड देने की तैयारी है। इसके साथ ही बजट प्रस्तावों में राज्यों को शहरों में पूंजीगत योजनाओं में निवेश के लिए ऋण से जहां विकास होगा वहीं रोजगार भी मिलेगा। इसके साथ ही, सक्षम आंगनवाड़ी 2.0 के जरिए महिलाओं को सशक्त बनाया जाएगा। ऊर्जा और जल मिशन पर भी फोकस किया गया है। रोजगार पैदा करने के लिए पर्यटन केंद्रों और आध्यात्मिक स्थलों का विकास अच्छा प्रयास है। सरकार ने इसी तरह बीमा क्षेत्र में विदेशी निवेश को 75 से 100 प्रतिशत करने की तैयारी है। इससे बीमा क्षेत्र में विकास की उम्मीद है। अश्विनी राणा का कहना है कि इसके बावजूद सरकार को सचेत रहना होगा और बीमा कंपनियों को जनता को लूटने से बचाना होगा। सरकार को इसके लिए कड़ी निगरानी रखनी होगी। प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष करों के लिए नए कोड की घोषणा शीघ्र होगी।

जलवायु परिवर्तन से बच्चों का जीवन संकट में

वर्ष 2024 में दुनिया के 85 देशों में 24.2 करोड़ बच्चों की पढ़ाई चरम मौसम के कारण बाधित हुई। इसका अर्थ यह है कि वर्ष 2024 में दुनिया भर के स्कूल जाने वाले हर सात बच्चों में से एक बच्चा मौसमी बाधाओं के कारण कभी न कभी स्कूल नहीं जा सका। संयुक्त राष्ट्र बाल कोष यानी यूनिसेफ की रिपोर्ट 'लर्निंग इंटरप्टेड रू ग्लोबल स्नैपशॉट ऑफ क्लाइमेट-रिलेटेड स्कूल डिसरप्शंस इन 2024' में चौंकाने वाले तथ्यों एवं खुलासे ने बच्चों को लेकर चिन्ता को बढ़ा दिया है। अब तक कृषि व मौसम के चक्र पर ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों के अध्ययन निष्कर्ष तो सामने आते रहे हैं, लेकिन जलवायु परिवर्तन का बच्चों के शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक, शैक्षणिक एवं स्वास्थ्य विषयक ऐसा संवेदनशील अध्ययन पहली बार सामने आया है, जिसने जहां नीति-निर्माताओं और शिक्षाविदों को चिन्ता में डाला है वहीं अभिभावकों की परेशानियों को बढ़ा दिया है। सरकार पर भी दबाव बनाया कि वह बच्चों व शिक्षा पर जलवायु परिवर्तन से होने वाले घातक असर को कम करने के लिये कारगर नीतियां बनाये एवं उन्हें तत्परता से लागू करें। इस रिपोर्ट के अनुसार गत वर्ष सिर्फ भारत में लगभग पांच करोड़ छात्र लू एवं अत्यधिक गर्मी के कारण प्रभावित हुए। जलवायु परिवर्तन सिर्फ हमारे पर्यावरण पर ही असर नहीं डाल रहा है बल्कि बच्चों की शिक्षा पर भी गहरा और खतरनाक असर डाल रहा है। ओस्लो विश्वविद्यालय में मनोविज्ञान की पोस्ट डॉक्टरल फेलो डॉ केटलिन एम प्रेंटिस और उनके सहयोगियों ने इस बारे में विस्तृत अध्ययन किया है। 'नेचर क्लाइमेट चेंज' पत्रिका में प्रकाशित इस अध्ययन के अनुसार दक्षिण एशिया, खासकर भारत, बांग्लादेश और कंबोडिया जैसे देशों में अप्रैल महीने में गरम हवा की लहरों (हीटवेव) ने शिक्षा व्यवस्था को बुरी तरह से प्रभावित कर दिया। जलवायु परिवर्तन के लिहाज से भारत को बेहद संवेदनशील देश करार दिया गया। वर्ष 2024 में दुनिया के 85 देशों में 24.2 करोड़ बच्चों की पढ़ाई चरम मौसम के कारण बाधित हुई। इसका अर्थ यह है कि वर्ष 2024 में दुनिया भर के स्कूल जाने वाले हर सात बच्चों में से एक बच्चा मौसमी बाधाओं के कारण कभी न कभी स्कूल नहीं जा सका। शोध के अनुसार बढ़ती गर्मी एवं गर्म दिनों की अधिक संख्या ने न केवल बच्चों के स्वास्थ्य को बल्कि परीक्षा परिणामों को खराब किया। मौसमी बाधाओं का असर बच्चों की शिक्षा पर लंबे समय तक रहता है। यूनिसेफ ने अपनी रिपोर्ट में चेताया है कि यदि ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन ऐसे ही जारी रहा, तो वर्ष 2050 तक बच्चों के गरम हवाओं के संपर्क में आने की संभावना आठ गुनी बढ़ जाएगी। सार्वभौमिक तापमान में लगातार होती इस वृद्धि के कारण विश्व के पर्यावरण पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है, उससे मुक्ति के लिये जागना होगा, संवेदनशील होना होगा एवं विश्व के शक्तिसम्पन्न राष्ट्रों को सहयोग के लिये कमर कसनी होगी तभी हम जलवायु परिवर्तन से जुड़े बच्चों के संकट से निपट सकेंगे अन्यथा यह विश्व के बच्चों के प्रति बड़ा अपराध होगा, उनके विनाश का कारण बनेगा। ग्लोबल वार्मिंग के खतरों ने दुनिया को चिन्ता में डाला है, इसने भारतीय जनजीवन, पर्यावरण, जीवजंतु, एवं कृषि के दरवाजे पर ऐसी दस्तक दी है, जो न केवल चिन्ताजनक है बल्कि अनेक खतरों की टंकार है। रिकॉर्ड तोड़ गर्मी से जहां सामान्य जन-जीवन बाधित है, पीने के शुद्ध पानी के स्रोत सूखने लगे है, वहीं खेती किसानी पर भी नया

संकट मंडरा रहा है। गत वर्ष भारत मौसम विज्ञान विभाग ने जानकारी दी थी कि वर्ष 2024 में भारत में गर्मी के सारे पुराने रिकॉर्ड टूट गये थे। यह वर्ष 1901 के बाद से सबसे गर्म साल के तौर पर दर्ज हुआ था। यूनिसेफ ने स्पष्ट किया है कि जलवायु संकट न केवल बच्चों की शिक्षा, बल्कि उनके पूरे भविष्य को खतरे में डाल रहा है। यदि इस संकट से निपटने के लिए तत्काल प्रभावी एवं जरूरी कदम नहीं उठाये गये, तो इसके बुरे असर को लंबे समय तक महसूस किया जाएगा और नयी पीढ़ी का जीवन अनेक खतरों से घिर जायेगा। अब जरूरी हो गया है कि सरकार शिक्षा पर जलवायु परिवर्तन के असर को कम करने के लिए ठोस रणनीतियां बनाने को आगे आये। जलवायु परिवर्तन से बच्चों की शिक्षा ही नहीं, बल्कि अन्य कई तरह के प्रभाव पड़ते हैं। जलवायु परिवर्तन से बच्चों का शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक स्वास्थ्य, और शिक्षा प्रभावित होती है। विशेषतः गर्मी से होने वाली बीमारियां और मौतों का खतरा बढ़ता है और हैज़ा, मलेरिया, डेंगू, और जीका जैसी बीमारियां खतरनाक तरीके से जीवन को घेरती है। गर्भावस्था के दौरान अत्यधिक गर्मी के संपर्क में आने से जन्म के समय कम वज़न के बच्चे पैदा होने की संभावनाएं बढ़ जाती है। पर्यावरण विषाक्त पदार्थों के संपर्क में आने का खतरा बढ़ता है। अत्यधिक गर्मी की वजह से होने वाली आपदाओं में मानसिक स्वास्थ्य प्रभावित होता है और अवसाद, चिंता, नींद संबंधी विकार और सीखने की कठिनाइयां उग्रतर हो जाती है। इन्हीं सब कारणों से बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होती है एवं परीक्षा परिणाम अपेक्षानुसार नहीं आ पाते हैं। बच्चे वयस्कों की तुलना में जलवायु और पर्यावरणीय झटकों के प्रति शारीरिक और शारीरिक रूप से अधिक संवेदनशील होते हैं। वे बाढ़, सूखा, तूफान और गर्मी जैसी चरम मौसम की मार झेलने और उससे बचने में कम सक्षम होते हैं। बच्चों को जलवायु परिवर्तन का सर्वाधिक खामियाजा उठाना पड़ता हैं क्योंकि यह उनके अस्तित्व, संरक्षण, विकास और भागीदारी के मौलिक अधिकारों को प्रभावित करता है। बच्चों पर जलवायु परिवर्तन के अन्य संभावित प्रभाव पड़ते हैं, जैसे- अनाथ, तस्करी, बाल श्रम, शिक्षा और विकास के अवसरों की हानि, परिवार से अलग होना, बेघर होना, भीख मांगना, आघात, भावनात्मक व्यवधान, बीमारियाँ आदि हैं। यह संकट यूं तो पूरी दुनिया में है लेकिन दक्षिण एशिया के अन्य देशों के मुकाबले दुनिया की सर्वाधिक जनसंख्या वाले भारत में इसका ज्यादा प्रभाव देखा गया है। ग्लोबल वार्मिंग के भयावह संकट को नियंत्रित करना सबसे बड़ी चुनौती है। चिन्ताजनक तथ्य यह भी है कि यदि देश-दुनिया में ग्रीन हाउस गैसों के नियंत्रण के लिये वैश्विक सहमति शीघ्र नहीं बनती तो आने वाले वर्षों में तापमान में और वृद्धि हो सकती है। जलवायु परिवर्तन के संकट से निपटने के लिए अमीर एवं शक्तिशाली देशों की उदासीनता एवं लापरवाहपूर्ण रवैया भी विडम्बनापूर्ण है। दुनिया में जलवायु परिवर्तन की समस्या जितनी गंभीर होती जा रही है, इससे निपटने के गंभीर प्रयासों का उतना ही अभाव महसूस हो रहा है। जलवायु परिवर्तन से पिछले एक साल में दुनिया में हालात ज्यादा गंभीर हुए है, बिगड़े हैं। दरअसल कार्बन उत्सर्जन घटाने एवं जलवायु परिवर्तन के मुद्दे पर अमीर देशों ने जैसा रुख अपनाया हुआ है, वह इस संकट को गहराने वाला है। जलवायु परिवर्तन के घातक प्रभावों ने भारत ही नहीं पूरी दुनिया की चिंताएं बढ़ा दी हैं। अभी भी नहीं चेते तो यह समस्या हर देश, हर घर एवं हर व्यक्ति के जीवन पर अंधेरा बनकर सामने आयेगी। विशेषतः बच्चों के बचपन पर इससे गहरे धुंधलके छाने वाले हैं। वैज्ञानिक और पर्यावरणविद चेतावनी दे रहे हैं कि आने वाले दशकों में वैश्विक तापमान और बढ़ेगा इसलिए अगर दुनिया अब भी नहीं सर्तक होगी तो इक्कीसवीं सदी के बच्चों को भयानक आपदाओं से कोई नहीं बचा पाएगा।

बजट पेश करने के बाद बोलीं वित्त मंत्री–'भारत राजकोषीय मजबूती के साथ कर्ज कटौती के लक्ष्य की राह पर'

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने को कहा कि भारत राजकोषीय मजबूती के रास्ते पर आगे बढ़ने के साथ कर्ज में कटौती के लक्ष्य की ओर कदम बढ़ा रहा है। उन्होंने इस बात को तवज्जो नहीं दी कि मूडीज जैसी एजेंसियों ने इन सबके बावजूद भारत की साख को नहीं बढ़ाया है। सीतारमण ने वित्त वर्ष 2025-26 के अपने बजट में राजकोषीय सूझबूझ के साथ आर्थिक वृद्धि को गति देने के बीच बेहतर संतुलन साधा है। उन्होंने न केवल मध्यम वर्ग को बड़ी कर राहत दी है, बल्कि अगले साल राजकोषीय घाटे को कम करने तथा 2031 तक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के प्रतिशत रूप में कर्ज में कमी लाने का खाका भी पेश किया। उन्होंने कहा कि भारत को वैश्विक चुनौतियों, आपूर्ति व्यवस्था के स्तर पर समस्याओं और दुनिया में संघर्षों के बीच अर्थव्यवस्था की वित्तीय जरूरतों को पूरा करने के लिए महामारी के दौरान अधिक कर्ज लेना पड़ा। सीतारमण ने पीटीआई-भाषा के साथ साक्षात्कार में कहा, ''इन सबके बावजूद हमने प्रतिबद्धता दिखाई है और राजकोषीय घाटे के संबंध में हम अपनी कही बातों का पालन कर रहे हैं। एक भी साल ऐसा नहीं है, जब हम अपनी प्रतिबद्धता को पूरा करने में विफल रहे हों। मूडीज रेटिंग्स ने शनिवार को सरकार द्वारा अपने वित्त को विवेकपूर्ण ढंग से प्रबंधित करने के प्रयासों के बावजूद भारत की साख को तत्काल बढ़ाने की बात से इनकार किया था।

मूडीज ने फिलहाल भारत की रेटिंग को स्थिर परिदृश्य के साथ बीएए3 पर बरकरार रखा है। यह निवेश के लिहाज से निम्न स्तर की रेटिंग है। भारत राजकोषीय अनुशासन और मुद्रास्फीति नियंत्रण की दिशा में आगे बढ़ रहा है, लेकिन मूडीज का कहना है कि साख बढ़ाने के लिए ऋण के बोझ में पर्याप्त कमी और अधिक महत्वपूर्ण राजस्व उत्पन्न करने वाले उपाय आवश्यक हैं। हाल के सुधारों के बावजूद, राजकोषीय घाटा और कर्ज-जीडीपी अनुपात महामारी-पूर्व के स्तर की तुलना में व्यापक बना हुआ है। कर्ज पर ब्याज अदायगी की लागत बजट में सबसे बड़ा हिस्सा बनी हुई है। सीतारमण ने शनिवार को संसद में पेश अपने आठवें बजट में कहा कि पिछले साल किये गए वादे के अनुसार चालू वर्ष के लिए राजकोषीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद का 4.8 प्रतिशत होगा इसे वित्त वर्ष 2025-26 तक घटाकर 4.4 प्रतिशत पर लाया जाएगा। उन्होंने कहा, ''हमने कहा है कि दीर्घकालीन स्तर पर हम अपने कर्ज का प्रबंधन इस तरह से करेंगे कि ऋण-जीडीपी अनुपात लगातार कम हो। हम ठीक वैसे ही आगे बढ़ रहे हैं, जैसा कि एक विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट में बताया गया है। कर्ज को नीचे लाया जाएगा। वित्त मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने ऐसे कदम उठाए हैं, जो कई विकसित अर्थव्यवस्थाओं द्वारा भी नहीं उठाए गए हैं। उन्होंने कहा, ''मैं किसी भी विकसित देश के साथ अपने आकार की तुलना नहीं कर रही हूं। लेकिन सिद्धांत के तौर में, सकल घरेलू उत्पाद के अनुपात में कर्ज में कटौती करना, राजकोषीय घाटे को लक्ष्य के अनुरूप बनाए रखने पर काम किया जा रहा है। और यह सब सामाजिक कल्याण योजनाओं, शिक्षा या स्वास्थ्य पर किसी भी नकारात्मक प्रभाव के बिना किया जा रहा है। सीतारमण ने कहा कि राजकोषीय मजबूती के रास्ते पर कायम रहते हुए, सार्वजनिक व्यय पर कोई समझौता नहीं किए बिना वृद्धि को गति देने के लिए जो भी आवश्यक है, कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, ''पूंजीगत व्यय में कमी नहीं आई है। हम दो सिद्धांतों का पालन करते है। यह हैज राजकोषीय घाटे को नियंत्रण में रखने के साथ केवल सार्थक पूंजीगत व्यय के लिए कर्ज लेना। सीतारमण ने अगले वित्त वर्ष में पूंजीगत व्यय में मामूली वृद्धि के साथ इसे 11.21 लाख करोड़ रुपएकिए जाने के बारे में पूछे जाने पर कहा कि खर्च की गुणवत्ता को भी देखे जाने की जरूरत है। चालू वित्त वर्ष में संशोधित पूंजीगत व्यय अनुमान 10.18 लाख करोड़ रुपए है। उन्होंने कहा कि वास्तव में हमें 2020 से हर साल पूंजीगत व्यय में 16 प्रतिशत, 17 प्रतिशत की वृद्धि की आदत हो गई है और अब यह कहा जा रहा है कि आपने 2025-26 के बजट में इसे उस अनुपात में नहीं बढ़ाया है। मैं आपसे यह भी कहना चाहूंगी कि कृपया आप विशेष रूप से पूंजीगत व्यय मद में खर्च की गुणवत्ता को देखें। सीतारमण ने उन राज्यों की भी सराहना की, जिन्हें केंद्र सरकार की ओर से पूंजीगत व्यय के तहत 50 साल के लिए ब्याज-मुक्त राशि प्राप्त हुई है। वित्त मंत्री ने कहा, ''उन्होंने पूंजीगत व्यय और व्यय की गुणवत्ता में भी बहुत रुचि दिखाई है, इसलिए यह बहुत अच्छी रहा हैज। वित्त वर्ष 2024-25 में पूंजीगत व्यय बजटीय अनुमान 11.11 लाख करोड़ रुपए से कम रहा। इसका कारण देश में आम चुनाव था। इससे चार महीने पूंजीगत व्यय प्रभावित हुआ। उन्होंने कहा, ''इस वित्त वर्ष मं चुनाव के कारण पूंजीगत व्यय थोड़ा धीमा रहा। अन्यथा मेरा संशोधित अनुमान भी बजट अनुमान के करीब होता।

केजरीवाल ने भाजपा पर गुंडागर्दी का लगाया आरोप

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर रविवार को तीखा हमला करते हुए कहा कि दिल्ली विधानसभा चुनाव नजदीक आने के साथ ही भाजपा ''गुंडागर्दी पर उतर आई है। केजरीवाल ने एक संवाददाता सम्मेलन में दावा किया कि 'आप' पांच फरवरी को होने वाले चुनावों में ''निर्णायक जीत की ओर बढ़ रही है, जिससे भाजपा नेता, विशेष रूप से केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ''स्तब्ध और हताश हैं। केजरीवाल ने कहा, ''आप चुनावों में भारी जीत हासिल कर रही है और अमित शाह स्तब्ध हैं। भाजपा गुंडागर्दी पर उतर आई है क्योंकि उसे हार का आभास हो गया है। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं पर 'आप' कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों को धमकाने और उन पर हमला करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा, ''हमारे नेताओं और समर्थकों को धमकाया जा रहा है कि या तो वे भाजपा में शामिल हो जाएं या उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा और उन पर हमले किए जाएंगे लेकिन हमें डराया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि दिल्ली ''धमकाने वाली इस रणनीति को बर्दाश्त नहीं करेगी। केजरीवाल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर 'अमित शाह की गुंडागर्दी' हैशटैग के जरिए नयी सोशल मीडिया प्रचार मुहिम शुरू की। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि यदि उन पर ''हमला किया जाता है, उन्हें धमकाया या डराया जाता है तो वे इस 'हैशटैग' का उपयोग करके अपने अनुभव साझा करें। केजरीवाल ने कहा, ''दिल्ली को लेकर भाजपा का कोई नजरिया ही नहीं है – ना तो मुख्यमंत्री पद का कोई उम्मीदवार है और ना ही कोई विकास एजेंडा। उन्हें सिर्फ गुंडागर्दी आती है। वे वोट के बल पर नहीं, बल्कि डराकर जीतना चाहते हैं। उन्होंने ''शहर की सुरक्षा और लोकतांत्रिक अखंडता सुनिश्चित करने के लिए दिल्लीवासियों से भाजपा के खिलाफ एकजुट होने का आग्रह किया। दिल्ली विधानसभा चुनाव पांच फरवरी को होंगे और नतीजे आठ फरवरी को घोषित किए जाएंगे। 'आप' का दिल्ली में लगातार तीसरी बार सत्ता में आने का लक्ष्य है, जबकि भाजपा 25 साल से अधिक समय के बाद राष्ट्रीय राजधानी में सत्ता पर काबिज होना चाहती है।

भगवान रघुनाथ के दरबार में उड़ा गुलाल वसंत पंचमी के साथ होली उत्सव शुरू

नई दिल्ली। देवभूमि कुल्लू में होली पर्व अत्यंत अनूठे ढंग से मनाया जाता है। यहां की होली 40 दिन पहले वसंत पंचमी के साथ आरंभ होती है। रविवार को कुल्लू जिला में बसंत पंचमी का त्योहार धूमधाम के साथ जहां मनाया गया। वहीं, इसके साथ ही होली का आगाज भी हो चुका है। इस दौरान भगवान रघुनाथ के दरबार में जमकर गुलाल भी उड़ाया गया। इसके साथ ही ऐतिहासिक ढालपुर मैदान में भगवान रघुनाथ की रथ यात्रा के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। कुल्लू के ऐतिहासिक ढालपुर मैदान में वसंत पंचमी का त्योहार धूमधाम के साथ मनाया गया। इस दौरान जिला के आराध्य देवता भगवान रघुनाथ अपनी पालकी में सवार होकर अपने मंदिर रघुनाथपुर से ऐतिहासिक ढालपुर मैदान में पंहुचे। पूरा ढालपुर मैदान जयश्री राम के नारों से गूंज उठा। इस दौरान भगवान रघुनाथ के रथ में विराजमान होने के बाद पूजा की गई। इसके पश्चात ढालपुर रथ मैदान से भगवान रघुनाथ के अस्थायी शिविर ढालपुर के लिए रथ यात्रा निकाली गई, जिसमें हजारों की संख्या में लोगों की भीड़ उमड़ी। रथ यात्रा में अधिष्ठाता रघुनाथ के छड़ीबरदार महेश्वर सिंह सहित राजपरिवार के सभी सदस्य मौजूद रहे। रथ को खींचने के लिए लोगों में होड़ सी मची रही। रथ खींचकर लोगों ने आशीर्वाद प्राप्त किया। ढालपुर में रघुनाथ जी

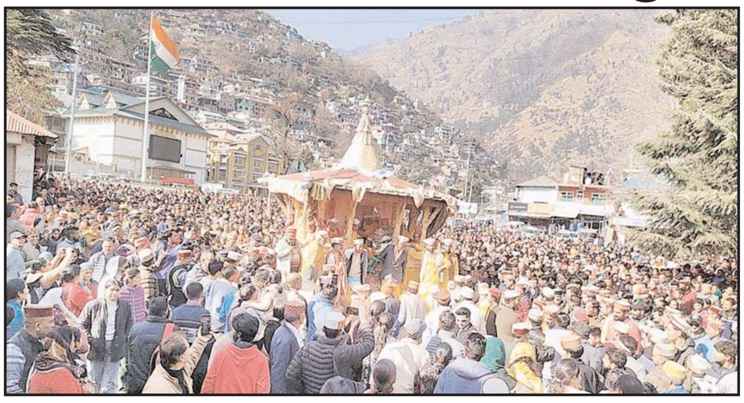

पर करीब दो घंटे तक परंपरागत तरीके से गुलाल डाला गया और इसके साथ ही कुल्लू में होली का आगाज हो गया। अब 40 दिनों तक भगवान रघुनाथ पर सुल्तानपुर स्थित स्थायी मंदिर में हर रोज गुलाल डाला जाएगा। होली से आठ दिन पूर्व यहां होलाष्ठक पर्व शुरू होगा। होली से एक दिन पूर्व यहां बड़ी होली मनाई जाएगी। इस दौरान एक दिलचस्प परंपरा यह भी है कि भगवान रघुनाथ जी की रथयात्रा शुरू होने के समय भगवान हनुमान का रूप धारण किए एक व्यक्ति अपने पूरे शरीर पर केसरी रंग लगा कर लोगों के बीच जाता है। लोग हनुमान को छूने के लिए उसके पीछे भागते हैं, ताकि उन्हें भी वह रंग लग जाए। भगवान रघुनाथ के मुख्य छड़ीबदार महेश्वर सिंह ने कहा कि कुल्लू जिला में वसंत पंचमी के साथ होली उत्सव का भी आगाज हो गया है, जो कि अगले 40 दिनों तक चलेगा। वसंत पंचमी की बेला पर भगवान रघुनाथ के मंदिर और अस्थायी शिविर में गुलाल उड़ाया गया और इसके बाद रोजाना रघुनाथ मंदिर में बैरागी समुदाय के लोगों के द्वारा शाम के समय होली गीत गाए जाएंगे। वसंत पंचमी के दिन माता सरस्वती का पूजन किया जाता है और इसी दिन से सृष्टि का सृजन भी होता है। इसके साथ ही पेड़-पौधों में नई कोंपले भी अंकुरित होती हैं। यह गर्मियों का पहला त्योहार है और इसके बाद ग्रीष्म ऋतु का भी आगाज होता है।

सूखे में गुजर गया जनवरी, 85 प्रतिशत कम बरसे बादल अब चार को दिया है बारिश-बर्फबारी का अलर्ट

नई दिल्ली। हिमाचल में साल का पहला महीना सूखे में गुजर गया है। जनवरी में 85 फीसदी कम बारिश दर्ज हुई है। रिकार्ड आधा दर्जन जिलों में बारिश का अंतर 90 फीसदी से ज्यादा का है। 31 जनवरी तक बारिश का ओवरआल रिकार्ड हिमाचल में 85.3 प्रतिशत का है। जबकि इस अवधि के दौरान 13.3 फीसदी बारिश ही राज्य भर में हो पाई है। बारिश की सबसे ज्यादा कमी हमीरपुर और ऊना जिलों में देखने को मिल रही है। यहां 95-95 फीसदी की कमी दर्ज हुई है। जबकि बिलासपुर और कांगड़ा में यह अंतर 94-94 फीसदी का है। सोलन और किन्नौर में क्रमशः 93 फीसदी की कमी देखने को मिली है। ऊना में जनवरी माह में आमतौर पर 40 मिमी बारिश होती है। लेकिन इस बार अभी तक 1.9 मिमी बारिश ही यहां हो पाई है। हमीरपुर में 52.8 मिमी की जगह 2.7 मिमी बारिश दर्ज की गई है। ऐसा ही हाल बिलासपुर का भी बना हुआ है। इस जिला में सामान्य बारिश 47.7 मिमी है। जबकि यहां पूरे जनवरी माह के दौरान 2.7 मिमी बारिश अभी तक हो पाई है। कांगड़ा में 72.5 मिमी की जगह 4.6 मिमी बारिश अब तक हुई है। सोलन में 55.1 मिमी की जगह चार मिमी बारिश रिकार्ड हुई है। गौरतलब है कि मौसम विभाग ने फरवरी माह के शुरूआती हफ्ते में बारिश और बर्फबारी की संभावना जताई थी। लेकिन अलर्ट के बावजूद मौसम में बदलाव का ज्यादा असर देखने को नहीं मिल पाया है। मौसम विभाग ने चार फरवरी को सबसे ज्यादा बारिश की बात कही है। जबकि चार फरवरी के बाद से मौसम साफ रहेगा। हिमाचल में बारिश के मामले में अभी तक चार ही जिले हैं जो दोहरे आंकड़े को छू पाए हैं। इनमें लाहुल-स्पीति, कुल्लू, चंबा और शिमला में बारिश और बर्फबारी दोहरे अंक में दर्ज हुई है। इनमें लाहुल-स्पीति में 23.3 मिमी बारिश दर्ज की गई है। यहां इस बार तीन से चार चरणों में भारी बर्फबारी हुई है। राज्य भर में लाहुल-स्पीति का यह आंकड़ा सबसे आगे है।

ऋतुराज वसंत: प्रकृति के वैभव और श्रृंगार का प्रतीक

वसंत पंचमी से प्रारंभ होकर फागुन तक ऋतुराज वसंत की ऊर्जा और उल्लास सब ओर कायम रहते हैं। वसंत ऋतु प्रकृति के वैभव, यौवन और श्रृंगार का प्रतीक है। इन दिनों शरद के तप से समृद्ध हुई प्रकृति खिलखिलाती, झूमती-गाती है। वसंत उसके ही जीवन में घटित होता है, जो जीवन के संघर्षों और अंधकारों पर विजय प्राप्त करता है। यह साहित्यकारों, कलाकारों की प्रिय ऋतु है। हमारी संस्कृति इतना उदात्त है कि इसमें मनुष्य ही नहीं, बल्कि पेड़-पौधे, पशु, पक्षी, कीट-पतंग, नदियां, समंदर, धरती, आकाश, ग्रह, नक्षत्र व ऋतुएं आदि सभी को यथायोग्य स्थान एवं महत्व प्राप्त है। यहां मनुष्य केवल मनुष्य के प्रति ही स्नेह प्रकट नहीं करता, बल्कि प्रकृति को भी प्यार-सम्मान देता है। हम प्रकृति के सौंदर्य को अपने हृदय में बसाते हैं। प्रकृति तथा अदृश्य दैवीय शक्तियों के साथ अपने मन के उत्साह, हृदय के उल्लास एवं आत्मा के नवोन्मेष को बांटने का उत्सव मनाते हैं- 'वसंत का उत्सव।' दरअसल, वसंत प्रकृति के सौंदर्य के विस्तार की ऋतु है। माघ महीने के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को 'वसंत पंचमी' के नाम से जाना जाता है। इस दिन संपूर्ण कलाओं, काव्य, वाणी, वाद्य एवं संगीत के सौंदर्य की अधिष्ठात्री देवी सरस्वती की उपासना भी की जाती है। ऐसा प्रतीत होता है कि देवी सरस्वती के अभिनंदन में प्रकृति अपना श्रृंगार करती है। संपूर्ण वसुधा पर वसंत छा जाता है। प्रकृति के आनंद का प्रस्फुटन इस कालखंड को 'ऋतुराज' बना देता है। वैसे तो हमारे देश में छह ऋतुएं होती हैं। ये सारी ऋतुएं महत्वपूर्ण हैं, लेकिन इनमें से शरद, वंसत और ग्रीष्म को हमारी संस्कृति में अत्यंत विशेष स्थान प्राप्त है। दरअसल, ये तीनों ही ऋतुएं प्रकृति और परमात्मा के त्रिगुणों- सत् यानी सत्व, रज एवं तम की द्योतक हैं। इनमें शरद में सत् की, वंसत में रज की और ग्रीष्म में तम की प्रधानता होती है। वसंत रज प्रधान इसलिए मानी जाती है, क्योंकि यह ऋतु प्रकृति के वैभव और श्रृंगार का प्रतीक है। यह किसी 'नवयौवना' की भांति अपने संपूर्ण वैभव एवं साज-श्रृंगार के साथ प्रकट होती है। वैसे, वसंत समृद्धि का प्रतीक भी है। दरअसल, यही वह समय है, जब शरद के तप से समृद्ध हुई प्रकृति किसी अल्हड़ नवयौवना-सी खिलखिलाती, झूमती-गातीउ और वन-उपवन में वासंती बालियों, लताओं पर मदमस्त हो लहराती है। बता दें कि वसंत पंचमी से प्रारंभ होकर फागुन तक वसंत की मादकता, ऊर्जा, उसका उजास और उल्लास सब ओर कायम रहता है। जवां दिलों की धड़कन को बढ़ाने वाली और मस्ती की प्रतीक फागुन की फगुनाहट से घुल-मिलकर वसंत का सौंदर्य बहुगुणित हो जाता है। गौरतलब है कि वसंत का प्रतीक रंग पीला होता है, जो वास्तव में प्रसन्नता का द्योतक है। सब तरफ, वासंती रंग में रंगी प्रकृति हंसती, मुस्कराती प्रतीत होती है। देखा जाए तो वसंत संपूर्ण प्राणी जगत् को अपने रंग में रंग डालती है।

श्रीमद्भगवत गीता में भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं कि ऋतुओं में मैं कुसुमाकर वसंत हूं- 'अहम ऋतुनाम कुसुमाकर।' मादकता, ऊर्जा, उजास, अल्हड़पन, उल्लास और यौवन से परिपूर्ण वसंत, जो मनुष्य के ही नहीं, बल्कि संपूर्ण प्राणी जगत् के नवोन्मेष की ऋतु है। वसंत नित्य-निरंतर और सदा-सर्वदा युवा रहने वाला है। बता दें कि श्रृंगार वसंत का स्थाई भाव है, जबकि यौवन इसकी स्थाई अवस्था है। यह यौवन का प्रतीक है। वसंत ऋतु ही उस सौभाग्यशाली कालखंड का नेतृत्व करती है, जिसमें भगवान शिव और माता पार्वती की दिव्य प्रेम कथा, जो कि इस सृष्टि का प्रथम प्रेम-प्रसंग भी है, पूर्णता को पाती है। कथा है कि कामदेव ने भगवान शिव की समाधि भंग करने के लिए वसंत के ही कोमल पुष्पों से सजे तीर का प्रयोग किया था। वसंत साहित्यकारों, कलाकारों, संस्कृतिकर्मियों और गीतकारों की प्रिय ऋतु है। यही कारण है कि इसका वर्णन-चित्रण प्रायः प्रत्येक युग और काल की रचनाओं में मिलता है। प्राचीनकाल से लेकर आधुनिक काल के रचनाकारों तक में शायद ही कोई ऐसा हुआ हो, जिसे वसंत के अप्रतिम सौंदर्य, रस, रंग, रूप, गंध, स्पर्श आदि ने मुग्ध और मोहित नहीं किया हो। पुराणों, वेदों, स्मृतियों आदि धर्म ग्रंथों, भक्तकवि जयदेव के गीत गोविंद, महर्षि वाल्मीकि रचित रामायण और गोस्वामी तुलसीदास के रामचरित मानस से लेकर जयशंकर प्रसाद की कामायनी समेत केशव, बिहारी एवं अन्य रीति कालीन कवियों की रचनाओं में वसंत के सौंदर्य का अप्रतिम वर्णन हुआ है। वहीं, आधुनिक युग के छायावादी रचनाकारों ने अपनी महत्वपूर्ण रचनाओं में इसे यौवन की ऋतु बताया है। वसंत उसके ही जीवन में घटित होता है, जो जीवन के विविध संघर्षों, प्रतिकूलताओं, विरोधाभासों और अंधकारों पर विजय प्राप्त करता है। भगवान शिव के जीवन से प्रेरणा ली जा सकती है, जहां प्रधानता मन के बसंत की है।

बसंत पंचमी पर खूब होती है पतंगबाजी

बसंत पंचमी मौसम के खुशनुमा बदलाव, सकारात्मकता व उल्लास की प्रतीक है। बेहतर है कि इस पावन अवसर पर ज्ञान के साधक युवा व किशोर कुछ अच्छे संकल्प लें और उन्हें जीवन में उतार लें। ताकि उनके व्यक्तित्व में सफलता दिलाने वाले अच्छे गुणों का विकास हो। बसंत पंचमी का त्योहार आने वाला है। जो मौसम में नूतन बदलाव के साथ विद्या की देवी मां सरस्वती से भी जुड़ा है। जो शिक्षा प्राप्ति व अध्ययन कर रहे किशोरों व युवाओं को अच्छे रास्ते पर चलने की प्रेरणा देने वाली शक्ति मानी जाती हैं। दरअसल ,बसंत पंचमी से ही होली की भी सुगंध आने लगती है और गुलाल, पुए से घर-आंगन महक उठता है। प्रसाद में चढ़ने वाले बेर का मीठा स्वाद हमको नये उल्लास से भर देता है। मां सरस्वती ज्ञान की देवी हैं। उनका यह पर्व हमसे बहुत कुछ कहता है। तो आइये, इस बसंत पंचमी पर किशोरों व युवाओं समेत हम सभी कुछ संकल्प लेकर इस पर्व की सार्थकता में अपना योगदान दें जिससे सबके बेहतर भविष्य का मार्ग भी प्रशस्त हो। यह सबसे पहला संकल्प होना चाहिए। जो मनुष्य स्वयं का सम्मान नहीं करता, उसे किसी और से इज्जत कैसे मिल सकती है? इसलिए अपना, अपने परिवार, देश और संस्कृति का सम्मान करना सीखना चाहिए। 'आत्म' शब्द से मतलब यहां केवल खुद से नहीं है। बल्कि हम हर उस व्यक्ति, वस्तु और विचार का सम्मान करें जिनसे हमारा जीवन जुड़ा है। यह अगला महत्वपूर्ण बिंदु है। निगेटिविटी एक ऐसी बीमारी है, जिससे सबकुछ बर्बाद हो जाता है। जब हम किसी भी चीज का सकारात्मक पक्ष देखने लगते हैं तो स्थितियां बदलने लगती हैं और बुराइयों का अंत होने लगता है। नकारात्मक लोगों से न कभी दोस्ती करनी चाहिए और न ही उनकी कही किसी निगेटिव बात को मन में रखना चाहिए। हम जिस काम के बारे में सोचोगे कि वह हमसे हो सकता है, वह काम सचमुच हमसे हो जाएगा। अगर पहले ही सोच लिया कि कोई काम हम नहीं कर सकते, तो वह काम करना हमको बहुत कठिन लगने लगेगा। जब भी कभी ज्ञान की बात आती है तो मन में मोटा सा चश्मा पहनकर किताबों में सिर घुसेड़े आदमी का चित्र हमारी आंखों के सामने आ जाता है। हम किसी ऐसे इंसान की कल्पना करने लगते हैं जिसके पास खूब बड़ी-बड़ी डिग्रियां, जैसे पोस्ट ग्रेजुएट, पीएचडी आदि हों! जबकि ऐसा बिल्कुल भी नहीं है। ज्ञान कोई संकुचित क्षेत्र का विचार नहीं होता। हमारी रुचि अगर साहित्य, नृत्य-संगीत, कुकिंग, स्पोर्ट्स या चाहे जिस ओर हो, उसमें ही पूरी लगन से दक्षता प्राप्त करें। हमारा उसी क्षेत्र में नाम होगा। अब आते हैं इस एक अत्यंत जरूरी प्वाइंट पर। हम में से हरेक के पास कोई न कोई गुण होगा। कोई पढ़ने में तेज होगा तो किसी को जूडो-कराटे या किसी और क्षेत्र में दिलचस्पी होगी। हमारे पास चाहे जिस प्रकार का भी गुण हो, उसका सही उपयोग करना चाहिए। जैसे जो युवा पढ़ने में तेज हों तो वे किसी कमजोर बुद्धि के सहपाठी का मजाक मत उड़ायें या फिर अपनी बुद्धि को ज्यादा शरारत करने में मत लगा दें। अगर कोई कराटे सीखता हो तो बिना मतलब बाकी दोस्तों पर उस आर्ट की धौंस मत दिखाएं, न ही बिना वजह झगड़ें। जैसे-जैसे हम उम्रदराज होते हैं, बाहरी दुनिया में कई प्रकार के लोग मिलते जाएंगे। उनमें से कौन अच्छा है, कौन बुरा? ये पहचानने की समझ अब अपने अंदर विकसित करनी है। जिन लोगों में सही-गलत को समझ पाने की क्षमता होती है, वे हमेशा सफल होते हैं। अपनी इसी क्षमता के बल पर हम अपने लिए उचित कैरियर भी चुन सकेंगे। इस गुण के विकास में घर के अनुभवी लोगों की बातें सुनना और अखबार, प्रिंट हो या ऑनलाइन, पढ़ने की आदत आपकी सहायता करेगी।

समय संदेश टाइम्स परिवार
प्रबंध संपादक
आशीष त्रिपाठी
उप संपादक
प्रमोद दीक्षित (नोएडा)
सह सम्पादक
अनिल गुप्ता
ब्यूरो चीफ कानपुर देहात
सौरभ पाल

समय संदेश टाइम्स परिवार: बदलते समय का संदेश UPHIN/2015/64922 स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक विकास जैन द्वारा हर्षिता प्रिन्टर्स-127/875 W-1 साकेत नगर कानपुर से मुद्रित कराकर 101 प्लॉट नं० 49, एन 2 रोड, परदेवनपुर, लाल बंगला जिला कानपुर नगर- 208007 उ.प्र. से प्रकाशित किया। संपादक: विकास जैन मो.9935515049 समस्त विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे।